सुविचार
सफलता कोई पहले से ही निर्मित वस्तु नहीं, इसे पाना पड़ता है।

PKL NO.KKR/184/2022-24
हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र
सच्ची व स्टीक खबर, आप तक
सम्पादक : जरनैल सिंह
छायाकार : राजरानी

गजब हरियाणा

Contact : 91382-03233
समस्त भारत में एक साथ प्रसारित
HAR/HIN/2018/77311

WWW.GAJABHARYANA.COM ✵ 01 जून 2022 वर्ष : 5, अंक : 03 पृष्ट : 8 मूल्य: 7/- सालाना 150/- रुपये ✵ email. gajabharyananews@gmail.com

प्रगति रैली में हिस्सा लेने पहुंचे सीएम मनोहर लाल दोनों फाटकों पर अंडरपास और ओवरब्रिज बनाने का एलान

सिरसा में मेडिकल कॉलेज बनाने को लेकर सरकार की ओर से करीब चार वर्ष पहले घोषणा की गई थी, जिसके बाद अब मुख्यमंत्री की ओर से उसे हरी झंडी दिखाई गई है

गजब हरियाणा न्यूज

सिरसा । भाजपा की ओढां में आयोजित प्रगति रैली में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सिरसा में स्थित दोनों रेलवे फाटकों पर अंडरपास और ओवरब्रिज बनाने की घोषणा की है। वहीं उन्होंने सिरसा में मेडिकल कॉलेज के निर्माण को लेकर हरी झंडी दिखाई है। अंडरपास और ओवरब्रिज बनने पर जिले वासियों को इसका काफी लाभ मिलेगा। रविवार को आयोजित रैली में जिले के साथ साथ अन्य जिलों के कार्यकर्ता भी कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यमंत्री के रैली स्थल पर पहुंचने के बाद कार्यकर्ताओं की ओर से उनका स्वागत किया।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा की ओर से प्रदेश के साथ साथ देश में करवाए गए कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से पूरे देश में एक साथ विकास कार्य करवाए जा रहे है। जिसके चलते हरियाणा में विकास कार्य तेजी से चल रहा है। जिससे लोगों को इसका काफी लाभ भी मिल रहा है। भाजपा सरकार में प्रदेश तेजी से विकास की राह पर चल रहा है। बीते एक सप्ताह पहले ही मुख्यमंत्री की ओर से 353 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया था। जिससे लोगों को काफी राहत मिली है।

रेलवे अंडरपास और ओवरब्रिज बनने से जिले वासियों को होगा लाभ

शहर के रेलवे स्टेशन के पास स्थित फाटक पर अंडरपास बनाने को लेकर लंबे समय से मांग उठाई जा रही थी। जबकि चत्तरगढ़ पट्टी स्थित रेलवे फाटक के पास ओवरब्रिज की मांग भी रखी गई थी। ऐसे में ओढां रैली के दौरान मुख्यमंत्री मनोहर लाल की ओर से दोनों स्थानों पर अंडरपास बनाने और ओवरब्रिज बनाने को लेकर घोषणा की गई है। इससे आने जाने वाहन चालकों को इसका काफी लाभ मिलेगा। दिन में काफी समय समय तक दोनों तरफ के रेलवे फाटक बंद होने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता था।

मेडिकल कॉलेज बनाने को मिली हरी झंडी

सिरसा में मेडिकल कॉलेज बनाने को लेकर सरकार की ओर से करीब चार वर्ष पहले घोषणा की गई थी। जिसके बाद अब मुख्यमंत्री की ओर से उसे हरी झंडी दिखाई गई है। प्रशासन की ओर मेडिकल कॉलेज बनाने को लेकर शहर के कृषि कपास अनुसंधान केंद्र की 21 एकड़ जगह ली गई थी। जोकि शहर के मिनी बाईपास रोड पर स्थित सीडीएलयू के सामने है। ऐसे में यहां पर निर्माण कार्य करवाने को लेकर सरकार की ओर से हरी झंडी दिखाई गई है।

पांच लाख से एक करोड़ का नहीं किया कोई टेंडर रिवाईज : ईओ

सड़कों के टेंडर को लेकर फैलाई जा रही अफवाहों पर कड़ा संज्ञान लेगी नगरपरिषद

टैंडरों में किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं बरती गई

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । नगरपरिषद थानेसर में टेंडरों को लेकर आमजन में फैलाई जा रही अफवाहों पर विराम लगाते हुए कार्यकारी अधिकारी बलबीर सिंह ने साफ किया किया कि सड़कों के गडडे भरने के लिए टेंडर पांच लाख रुपए का न होकर दस-दस लाख रुपए के दो टैंडर निकाले गए थे। इन टैंडरों को बाद में 25-25 लाख का कर दिया गया था, जिसे नगरपरिषद कार्यालय में हुई हाउस की बैठक में पास करवाया गया था। उन्होंने कहा कि नप की तरफ से कभी भी पांच लाख से एक करोड का कोई टैंडर रिवाईज नहीं किया गया है। नप के द्वारा निकाले जाने वाले टैंडरों में कोई लापरवाही नहीं बरती गई है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग नगरपरिषद के बारे में गलत तथ्य पेश कर गलत सूचना फैला रहे हैं। ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए उच्च अधिकारियों से परामर्श लिया जाएगा। कार्यकारी अधिकारी बलबीर सिंह ने कहा कि राज्य सरकार के आदेशानुसार हरपथ ऑनलाईन पोर्टल व सोशल मिडिया व आमजन द्वारा सडको पर खड्डे होने की शिकायत का तुरन्त निवारण किया जाना होता है । इस पोर्टल पर शिकायतकर्ता द्वारा अपनी शिकायत से सम्बन्धित फोटो भी अपलोड की जाती है। सरकार का उद्देश्य है कि सडको को खड्डा मुक्त किया जाए ताकि आमजन को परेशानी का सामना न करना पडे। इस पोर्टल पर जैसे-जैसे शिकायत प्राप्त होती है, नगरपरिषद, थानेसर द्वारा उनका निवारण किया जाता है ।

उन्होने कहा कि नगरपरिषद, थानेसर द्वारा शहर के वार्ड न0. 1 से 15 एंव वार्ड न. 16 से 31 तक सडको के खड्डे भरने के लिए 10-10 लाख रूपये के दो टैण्डर दिनांक 08/03/2019 को जारी किए गए थे और इस टैण्डर का वर्क आर्डर दिनांक 04/06/2019 को दिया गया था । सरकार की हिदायतो के अनुसार ई- टैण्डरिंग के माध्यम से निविदांए आमंत्रित करके नियमानुसार टैण्डर अलाट किया गया है । इस टैण्डर को नगरपरिषद, थानेसर की हाउस बैठक दिनांक 01/03/2019 को प्रस्ताव न. 189, 190 द्वारा पारित किया गया था और इस प्रस्ताव पर नि-वर्तमान नगर पार्षदगण के हस्ताक्षर भी है । इस 10-10 लाख रूपये के दोनो टैण्डरो में से क्रमश मु. 741911 रुपए एंव मु. 972928 रूपये की राशि खर्च की गई है। उन्होने कहा कि आम जन की सुविधा के मध्य नजर एंव सडको को खड्डा मुक्त करने के लिए टैण्डर को रिवाईज करने की आवश्यकता थी । इसके उपरान्त इन टैण्डरो को दिनांक 07/02/2020 को रिवाईज किया गया व इस टैण्डर को 25 लाख रूपये तक रिवाईज करने की शक्तिया हाउस में निहित है। इन दोनो टैण्डरो की राशि को मु0. 10-10 लाख रूपये से रिवाईज करके 25-25 लाख रूपये कर दिया गया । इस रिवाईज टैण्डर को भी नगरपरिषद, थानेसर द्वारा हाउस की बैठक दिनांक 09/03/2020 को प्रस्ताव न0. 8(384) वार्ड न0. 1 से 15 तक व प्रस्ताव न0. 8(385) वार्ड न0. 16 से 31 तक के लिए पारित किया गया है । इस प्रस्ताव को पूर्ण बहुमत के साथ पास किया गया है। इस प्रस्ताव पर भी नि वर्तमान पार्षद श्रीमति सुनिता देवी के हस्ताक्षर है । रिवाईज उपरान्त 25-25 लाख रूपये के टैण्डर में से क्रमश मु0. 2475735/- रूपये एंव मु0. 1984303/- (पूर्व भुगतान राशि सहित) रूपये की राशि खर्च की गई जोकि समाचार पत्रों में 5 लाख रूपये के टैण्डर को 1.00 करोड रिवाईज किया गया है, पुर्णतः गलत है। उपरोक्त हरपथ पोर्टल पर अपलोड किए गए फोटोग्राफ गुगल लोकेशन के साथ नगरपरिषद, थानेसर में उपलब्ध है, इन फोटो को समस्या का निवारण करने उपरान्त पोर्टल पर भी अपलोड किया गया है।

कुरुक्षेत्र मे आयोजित आम आदमी पार्टी की महारैली हुई महाफ्लॉप : तनूजा

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। आम आदमी पार्टी की रैली पर प्रतिक्रिया देते हुए व पत्रकारो से बातचीत करते हुए प्रमुख समाजसेविका व इनेलो नेत्री तनूजा कुरुक्षेत्र ने कहा की आम आदमी पार्टी की महा रैली हुई महाफ्लॉप हुई रैली पांच-छह हजार का आकड़ा भी नहीं पार कर पाई। आप पार्टी के लाखों लोग पहुँचने के दावे खोखले निकले। पंजाब और दिल्ली से बसों को भेज कर लोगों को रैली स्थल तक पहुँचाया गया और कुरुक्षेत्र प्रशासन पर गलत आरोप लगाया गया की वो गाड़ियों को रैली स्थल तक नहीं पहुँचने दे रहे। अब आम आदमी पार्टी की असलीयत सामने आ गई है ये केवल झूठ की राजनीति करते है और कहते हैं कि हमें तो राजनीति नहीं आती।

हरियाणा की जनता ने इस रैली से किनारा किया। एक बात और देखने मे बड़ी अजीब सी लगी की कुरुक्षेत्र के नाम पर हो रही रैली में कुरुक्षेत्र के किसी नेता को भाषण तक नहीं देने दिया गया। यहाँ तक की कुरुक्षेत्र के किसी भी नेता को मंच पर स्थान तक नहीं दिया गया। अब आप खुद ही इस पार्टी की मानसिकता को समझ गए होंगे। जैसा की कविराज कुमार विश्वास अपने भाषणों मे कई बार कहते हैं कि यहाँ तो बस एक नेता है। उसी की डिक्टेटरशिप चलती है वहीं कुरुक्षेत्र में आज सिद्ध हुआ है।

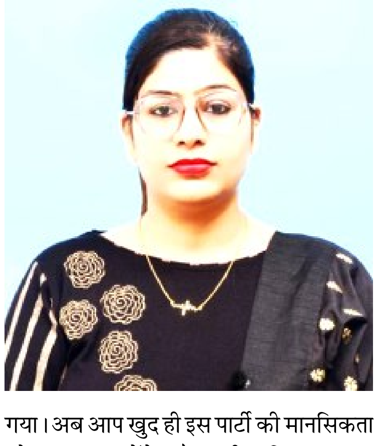

हरियाणा की जनता को मुफ्तखोरी नहीं चाहिए। जनता आप पार्टी व मौजूदा गठबंधन सरकार को भी जल्द ही निकाय चुनावों में अपना जवाब देगी।

किसी भी विश्वविद्यालय की उन्नति व प्रगति वहां के अधिकारियों व कर्मचारियों पर निर्भर करती है : डॉ. संजीव शर्मा

कुवि में सहायकों के पहले बैच के लिए आयोजित साप्ताहिक रिफ्रेशर कोर्स का हुआ समापन

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा ने ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की उन्नति व प्रगति वहां के शिक्षकों, अधिकारियों व कर्मचारियों पर निर्भर करती है। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों व अधिकारियों को अपना कार्य ईमानदारी व पारदर्शिता के साथ लगन के साथ करना चाहिए। वे रविवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के ट्रैनिंग, प्लानिंग एवं मॉनिटरिंग सेल द्वारा विश्वविद्यालय के सहायकों के प्रथम बैच लिए कार्यकुशलता बढ़ाने हेतु 23 से 29 मई तक आयोजित साप्ताहिक रिफ्रेशर कोर्स के के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय अपने शिक्षकों व कर्मचारियों की कड़ी मेहनत के परिणाम स्वरूप ही ए-प्लस ग्रेड व शिक्षा व शोध के क्षेत्र में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालय है। उन्होंने पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

डॉ. राकेश कुमार रिफ्रेशर कोर्स के समन्वयक थे। इस एक सप्ताह के दौरान एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल और आउटलुक पर काम करने के संबंध में प्रो. राजेंद्र नाथ, अध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान और अनुप्रयोग विभाग और विभाग के संकाय सदस्यों डॉ कंवल गर्ग, डॉ प्रदीप कुमार, डॉ. सचिन लालर और डॉ. मोनिका द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया था।

केयू के ट्रेनिंग, प्लानिंग एवं मॉनिटरिंग सेल के नोडल ऑफिसर डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने सभी का धन्यवाद किया। उन्होंने बताया यह रिफ्रेशर कोर्स राज्य प्रशिक्षण नीति 2020 के अनुसार स्थापित प्रशिक्षण योजना और निगरानी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित किया जाता है। इस नीति का मुख्य

उद्देश्य सभी राज्य संगठनों के सभी कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण देना है। उन्होंने बताया पहले बैच में 52 सहायकों ने भाग लिया।

डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि कि 6 से 11 जून तक सहायकों के दूसरे बैच व 13 से 18 जून तक सहायकों के तीसरे बैच के लिए इस रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस रिफ्रेशर कोर्स में कर्मचारियों की तकनीकी दक्षता को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

अर्थव्यवस्था के रफ्तार का भरोसा

बेरोजगारी से जूझते देश में ऐसी हर वह खबर हमें राहत देती प्रतीत होती है, जिससे नौकरियों के पैदा होने और अर्थव्यवस्था के रफ्तार पकड़ने का भरोसा मिलता हो। हाल में जब गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय संसद को बता रहे थे कि वर्ष 2020 में देश में कुल तीन हजार 548 बेरोजगारों ने आत्महत्या की, तो सवाल उठ रहा था कि आखिर पहेली बन गई बेरोजगारी के इस किस्से से हमें छुटकारा मिलेगा भी या नहीं। इन सवालों के जवाब निश्चय ही नौकरियां सृजित करने के साथ-साथ देश में यह जज्बा जगाने में ही निहित हैं कि नौकरी मांगने से बेहतर है कि नौकरी देने वाला बना जाए। हालांकि यह राह आसान नहीं है। इसके लिए युवाओं के भीतर अपना कोई कामधंधा शुरू करने का जोखिम लेने का उत्साह पैदा करने की जरूरत है। राह टेढ़ी जरूर है, पर नाममुकिन नहीं। इसकी एक झलक हाल में तब मिली जब आर्थिक सर्वेक्षण में बताया गया कि इस साल की शुरुआत तक देश में इकसठ हजार चार सौ से अधिक नई कंपनियों को मान्यता दी जा चुकी थी।

इस सिलसिले का आरंभ वर्ष 2016 से हुआ था, जब भारत में 'स्टार्टअप इंडिया' अभियान को हरी झंडी दी गई थी। योजना का मकसद देश में नवाचारी उद्योगों व उद्यमशीलता को बढ़ावा देना भी था। हालांकि इस बीच कोरोना महामारी से पैदा हालात ने देश के आर्थिक माहौल पर काफी विपरीत असर डाला, लेकिन इंटरनेट की बदौलत देश में नई कंपनियों के कामकाज में ज्यादा अड़चन नहीं आई। इसी का नतीजा है कि जहां वर्ष 2016-17 में सरकार ने सिर्फ 773 नवाचारी कंपनियों को मंजूर किया था, वहीं वर्ष 2021 में चौदह हजार नए उद्योगों को मंजूरी दी गई। इसमें भी एक उल्लेखनीय तथ्य यह है कि देश में ऐसी नई कंपनियों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है, जिनका बाजार मूल्यांकन एक अरब डालर (लगभग 7470 करोड़ रुपए) के बराबर या इससे ज्यादा है। ऐसी कंपनियों को यूनिकार्न कहा जाता है। वर्ष 2021 में ऐसे यूनिकार्न की संख्या 44 थी, जो अब बढ़ कर तिरासी हो चुकी है।

यह भी कहा जा रहा है कि ये सिलसिला अभी रुकने वाला नहीं है। इस बारे में पीडब्ल्यूसी इंडिया ने एक आकलन किया है। इसके मुताबिक वर्ष 2022 में देश में 50 नवाचारी कंपनियां और यूनिकार्न की श्रेणी हासिल कर सकती हैं। इस तरह साल के अंत तक एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाले नवाचारी कारोबारों की कुल संख्या एक सौ से ऊपर निकल सकती है। ऐसी खबरों से उत्साह जगना स्वाभाविक है। इसका एक असर यह है कि सरकार के अलावा कई बड़े उद्योगपतियों ने इन कंपनियों में भारी निवेश करना शुरू कर दिया है। उदाहरण के लिए रिलायंस ने वर्ष 2021 में ऐसी कंपनियों में सात हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की पूंजी लगाई। टाटा और वेदांता जैसे समूह भी इस कतार में हैं। खुद सरकार भी कई नवाचारी कंपनियों में पैसा लगा रही है। अंदाजा है कि सरकार की ओर से ऐसा निवेश एक हजार करोड़ के करीब हो चुका है। इस तरह सरकारी और देसी-विदेशी निवेशकों की ओर से नए कारोबारों में बीते एक साल में पैंतीस अरब डॉलर से ज्यादा की पूंजी लग चुकी है। हालांकि इन सारे आंकड़ों में यह तथ्य भी नजर आता है कि ज्यादातर नई कंपनियां बड़े शहरों में शुरुआत कर रही हैं क्योंकि वहां का बुनियादी ढांचा उनके लिए मुफीद ठहरता है।

> बेरोजगारी से जूझते देश में ऐसी हर वह खबर हमें राहत देती प्रतीत होती है, जिससे नौकरियों के पैदा होने और अर्थव्यवस्था के रफ्तार पकड़ने का भरोसा मिलता हो। नए कारोबारों में एक साल में 35 अरब डॉलर से ज्यादा की पूंजी लग चुकी है। हालांकि इन सारे आंकड़ों में यह तथ्य भी नजर आता है कि ज्यादातर नई कंपनियां देश के बड़े शहरों में शुरुआत कर रही हैं।

आर्थिक सर्वेक्षण में बताया गया था कि अब नवाचारी कारोबारों का अभियान महानगरों से निकल कर छोटे शहरों की तरफ रुख कर रहा है। पिछले कुछ समय में देश के 555 जिलों में कोई न कोई नई कंपनी शुरू की गई। मोटे तौर पर देश के 75 फीसद जिलों में नवाचारी उद्योग योजना की पहुंच हो चुकी है। इसके आधार पर भारत के बारे में दावा है कि अब यह दुनिया का सबसे युवा 'स्टार्टअप देश' बन चुका है, जहां करीब 75 फीसद नई कंपनियों के संचालक 35 साल से कम उम्र के युवा हैं।

हालांकि नए उद्योगों की यह राह आसान नहीं रही है। इस योजना की शुरुआत को एक बड़ा झटका कोरोना महामारी से लग चुका है। 2020 में फिक्की और इंडियन एंजेल नेटवर्क ने अपने राष्ट्रव्यापी सर्वे 'भारतीय स्टार्टअप पर कोविड-19 का असर' में मिले आंकड़ों का आकलन किया तो पता चला कि देश के करीब 70 फीसद नवाचारी कारोबार खराब हालत में हैं, जबकि 33 फीसद कंपनियों ने नए निवेश के अपने फैसलों पर रोक लगा दी थी। इसके अलावा दस फीसद नवाचारी कंपनियों ने कहा था कि जिन निवेशकों से उन्हें पूंजी मिल रही थी, वह बंद हो गई। सर्वेक्षण से यह भी साफ हुआ था कि सिर्फ 22 फीसद कंपनियां ही ऐसी थीं, जिनके पास अगले छह महीने का खर्च चलाने के लिए नकदी बची थी। हालांकि वजूद बनाए रखने के मकसद से 43 फीसद कारोबारों ने वेतन कटौती शुरू कर दी थी। यूं तो सरकार किसी व्यापारी की तरह कोई व्यवसाय नहीं चला सकती, लेकिन वह यह तो जरूर कर सकती है कि नए कारोबारों के लिए एक स्वस्थ माहौल तैयार करे। अभी तक सरकार ने जो कुछ किया है, अब उससे दो कदम आगे बढ़ने की जरूरत है। हमारी सरकार को इस संबंध में कुछ उदाहरणों से सबक लेना होगा, जैसे कि फ्रांस से। फ्रांस ने चार अरब यूरो का प्रबंध करके नई कंपनियों को पूंजी की दिक्कतों से बचाने का इंतजाम कर दिया है।

उधर, जर्मनी ने नए उद्योगों के लिए खास मदद का कार्यक्रम तैयार किया है, तो ब्रिटेन ने आर्थिक समस्याओं का सामना कर रही कंपनियों के लिए कोष और कई मददगार उपायों की घोषणा की है। इसी तरह आस्ट्रेलिया ने भारी-भरकम पचास करोड़ डॉलर का कोष तैयार किया है, जिसमें से मुश्किल में फंसे उद्योगों को दस हजार डॉलर की रकम तुरंत ही कर्ज और सहायता के रूप में दी जा सकती है। न्यूजीलैंड की तो इसके लिए तारीफ हो रही है कि विश्व बैंक की रैंकिंग के मुताबिक वह लगातार छठवें वर्ष ऐसा सर्वश्रेष्ठ मुल्क साबित हुआ है जहां कोई व्यवसाय शुरू करना और चलाना सबसे आसान है। इन उदाहरणों का सार यह है कि भारत को भी अपनी कंपनियों के प्रोत्साहन के वास्ते ऐसा माहौल तैयार करना चाहिए जिससे कि उन्हें विदेशों से निवेश आसानी से मिल सके और उनके संचालन में पूंजी या नीति संबंधी कोई समस्या बाधा बन कर सामने न आए।

ध्यान रखना होगा कि विश्व बैंक की 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' संबंधी रैंकिंग में भारत का स्थान फिलहाल 63वां है। इसमें सुधार की फौरन जरूरत है। इसके लिए खासतौर पर नई कंपनियों के संचालन में नियमन संबंधी अड़चनों को दूर करना प्राथमिकता में होना चाहिए। साथ में, पेटेंट के रास्ते में आने वाली मुश्किलों से निजात दिलाने के प्रयास होने चाहिए। वर्ष 2020-21 में भारत में 58 हजार 502 पेटेंटों की अर्जी लगाई गई थी, जिनमें से सिर्फ 28 हजार 391 को मंजूरी दी गई। जबकि पड़ोसी देश चीन में इसी अवधि में सात लाख पेटेंट मंजूर किए गए। यह फर्क स्टार्टअप कंपनियों की तरक्की के हालात साफ कर देता है।

जरनैल सिंह

जिप कुरुक्षेत्र के वार्ड 8 व 9 तथा पंचायत समिति पिपली के वार्ड 15 से 19 की मतदाता सूचियों का 20 जून को होगा प्रकाशन: मुकुल

मतदाता सूचियों को लेकर 27 मई से 30 मई तक दिए जा सकते है दावे व आपत्तियां, एडीसी द्वारा 7 जून से 9 जून तक किया जाएगा दावे और आपत्तियों का निपटान

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, उपायुक्त मुकुल कुमार ने कहा कि जिला कुरुक्षेत्र की ग्राम पंचायत पिपली को नगर परिषद थानेसर में शामिल कर लिए गया है। इसके कारण जिला परिषद कुरुक्षेत्र के वार्ड नंबर 8 व 9 तथा पंचायत समिति पिपली के प्रभावित वार्ड नंबर 15 से 18 का प्रारंभिक प्रकाशन हरियाणा पंचायती राज नियम 1994 के नियम 4(5) के तहत किया जाता है। यदि कोई व्यक्ति वार्डों की सूची को देखना चाहता है तो उपायुक्त कार्यालय, संबंधित उपमंडल अधिकारी नागरिक, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय, सर्कल राजस्व अधिकारी कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस में देख सकता है।

उपायुक्त मुकुल कुमार ने वीरवार को जारी आदेशों में कहा कि इस संबंध में दावे, आपत्तियां व अपील हरियाणा पंचायत राज चुनाव नियमावली 1994 का नियम 4(7) के तहत की जा सकती है। जिला परिषद कुरुक्षेत्र के वार्ड 8 व 9 तथा पंचायत समिति पिपली के वार्ड 15 से 18 के लिए 27 मई से 30 मई तक दावे व आपत्तियां संबंधित उपमंडल अधिकारी नागरिक के पास दर्ज करवाई जा सकती है। इन दावे व आपतियों का निपटान संबंधित उपमंडल अधिकार नागरिक द्वारा 31 मई से 6 जून 2022 तक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उपमंडल अधिकारी नागरिक के आदेशों के विरुद्ध अपील का प्रावधान हरियाणा पंचायती राज नियम 1994 के नियम 4(8) के दृष्टिगत एडीसी को की जा सकती है। जिला परिषद कुरुक्षेत्र के वार्ड 8 व 9 तथा पंचायत समिति पिपली के वार्ड 15 से 18 के विरुद्ध अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय को 7 जून से 9 जून 2022 तक अपील की जा सकती है। इन दावे व आपतियों के निपटान के उपरांत जिला कुरुक्षेत्र की पंचायत समिति पिपली के वार्ड 15 से 18 तथा जिला परिषद के वार्ड नंबर 8 व 9 का अंतिम प्रकाशन हरियाणा पंचायती राज नियम 1994 के नियम 4(9) के अंतर्गत 20 जून 2022 को किया जाएगा।

श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ का राजस्थान का प्रथम अधिवेशन आयोजित

गजब हरियाणा न्यूज

राजस्थान, श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ का प्रथम प्रदेश स्तरीय अधिवेशन जयपुर में 29 मई 2022 रविवार को आयोजित किया गया। जिसमें केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ,राजस्थान विधानसभा के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल,पूर्व विधायक एवं पीठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश राठौड़ ,राष्ट्रीय महामंत्री सूरजभान कटारिया, गुजरात विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष आत्माराम परमार, राष्ट्रीय महामंत्री सूरज जी केरो, पीठ के राजस्थान के प्रभारी एवं पूर्व विधायक गौतम टेटवाल, पीठ के प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश मेघवाल, शोभा रानी चौहान, श्रीमती चंद्रकांता मेघवाल ,पूर्व विधायक प्रोमिला कुंडारा ,पूर्व विधायक राजकुमारी जाटव ,अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश चंदेल व श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ राजस्थान से अधिक संख्या में की गरिमामयी उपस्थिति रहे।

समग्र शिक्षा अभियान के तहत ऑटोमोबाइल टूल किट का वितरण किया

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर, समग्र शिक्षा अभियान के अधीन विद्यालय स्तर पर हस्तक्ष स्कीम के अंतर्गत ऑटोमोबाइल ट्रेड में शिक्षा ग्रहण कर रहे 10वीं और 12वीं के 53 बच्चों को राजकीय आदर्श संस्कृति, वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सरस्वती नगर में प्रधानाचार्य जसविंदर पाल व स्कूल प्रबंधक कमेटी अध्यक्ष रेखा रानी द्वारा शुक्रवार को ऑटोमोबाइल टूल किट का वितरण किया गया। इस टूल किट में हाइड्रोलिक जैक, फुट ऐयर पंप, ड्रिल मशीन,स्पेनर सट 19 प्रकार के ऑटोमोबाइल टूल इस किट में है जिससे बच्चा अपना रोजगार शुरू कर सकता है। प्रधानाचार्य जसविंदर पाल ने बच्चों व अभिभावकों को संबोधित करते हुए बताया कि यह टूलकिट बहुत उपयोगी है जिससे बच्चे खुद का कार्य शुरू कर सकते हैं। इस मौके पर वोकेशनल अध्यापक विनोद कुमार, गुरविंदर सिंह, शिपी,रविंद्र राठी, राजेश विशेष अध्यापक,गुरमीत सिंह व स्कूल प्रबंधन कमेटी के सदस्य उपस्थित रहे।

Registration Namber : HAR/HIN /2018/77311
हिन्दी समाचार पत्र
गजब हरियाणा
सच्ची व स्टीक खबर, आप तक

मैं हरियाणे का लाल, मन्ने बस काम करणा आवे : केजरीवाल

पंजाब में सरकार बनाने के बाद से अरविंद केजरीवाल हरियाणा में पैठ बनाने की तैयारी में जुटे हैं, आज की रैली में उन्होंने आम आदमी पार्टी और खुद के लिए जनता से एक मौका मांगा

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल कुरुक्षेत्र में रैली पहुंचे और आप की चुनावी मुहिम का आगाज किया। उन्होंने कहा कि मुझे मौका दो, मैं हरियाणा के सभी स्कूलों में सुधार करूंगा। दिल्ली सरकार के स्कूल सबूत हैं। गरीब के बच्चे भी इंजीनियर और डॉक्टर बनेगें। हमने दिल्ली के निजी स्कूलों को पिछले 7 वर्षों में फीस बढ़ाने की अनुमति नहीं दी। इस रैली को अब बदलेगा हरियाणा नाम दिया गया है।

पंजाब का दिया उदाहरण

केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में आप के मंत्री भ्रष्ट थे। कोई नहीं जानता था, मीडिया नहीं जानता था। कोई अन्य पार्टी होती तो हिस्से के लिए कहती, हमने उसे बर्खास्त कर जेल भेज दिया। किसी अन्य पार्टी ने ऐसा नहीं किया है, इसका मतलब यह नहीं है कि उनमें से कोई भी भ्रष्ट नहीं है।

उन्होंने कहा कि मैंने 7 साल में 12 लाख नौकरियां दी हैं। अगले 5 साल में 20 लाख नौकरी देने का प्लान है। खट्टर साहब ने हरियाणा में कितनी नौकरियां दी? ये नौकरी नहीं देंगे। ये आपके बच्चों को गुंडई और दंगा करना सिखाएंगे और अपने बच्चों को पढ़ने विदेश भेजेंगे।

हरियाणवी अंदाज में दिखे केजरीवाल

रैली में केजरीवाल अपने हरियाणवी अंदाज में दिखे। उन्होंने कहा कि मैं सीधा-साधा छोरा हूं। मुझे राजनीति करनी नहीं आती। मन्ने काम करना आवे है, मेरे ते कितनाये काम करा लो। उन्होंने लोगों से कहा कि अगर आप अपने बच्चों को इंजीनियर, डॉक्टर और वकील बनाना चाहते हो तो आप के साथ आ जाओ। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी पत्नी मेलानिया ट्रंप के साथ भारत आए तो उनकी पत्नी ने मोदी जी से कहा कि मुझे केजरीवाल के स्कूल देखने हैं। कोई खटट्र सरकार के स्कूल देखने आया क्या?

किसानों को दी बधाई

केजरीवाल ने कहा कि त्रेतायुग में रामचन्द्र जी ने रावण का घमंड तोड़ा था। द्वापरयुग में कृष्ण जी ने कंस का घमंड तोड़ा था। कलयुग में किसानों ने भाजपाइयों का घमंड तोड़ा है। मैं सारे किसान भाइयों को बधाई देता हूं। केजरीवाल ने कहा कि मुझे सबसे अच्छा तब लगता है जब मुझे लोग हरियाणे का लाल बोलते हैं। हरियाणा मेरी जन्मभूमि है। जन्मभूमि का कर्ज आदमी सात जन्मों तक नहीं चुका सकता।

आप की 'अब बदलेगा हरियाणा' रैली स्थल पर उम्मीद से कम जुटी भीड़

आप नेताओं द्वारा हरियाणा के गांव-गांव में जाकर कुरुक्षेत्र में अरविंद केजरीवाल की 'अब बदलेगा हरियाणा' रैली में लोगों को न्यौता दिया। रैली के एक दिन पहले ही आंधी व तूफान के चलते लगे टेंट धराशाई हो गए। आप कार्यकर्ताओं ने सारी रात में व्यवस्था को सुधारा लेकिन दोबारा टेंट नही लगा सके। जिस कारण रैली देर से शुरू हुई। भारी गर्मी के कारण रैली स्थल पर लोगों की संख्या उम्मीद से काफी कम रही। काफी संख्या में लोग नजदीक ब्रह्म सरोवर पर गर्मी से राहत पाने के लिए डुबकी लगाते रहे।

गांव बीड़ कालवा में पिछले तीन साल से बीमार पड़ा युवक की आर्थिक मदद करने के लिए पहुंचे समाजसेवी संदीप गर्ग

मैं लाडवा हल्के के प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हूं : संदीप गर्ग

गजब हरियाणा न्यूज/शर्मा

बाबैन, लाडवा हल्के के बाबैन ब्लॉक के गांव बीड़ कालवा में पिछले तीन साल से बीमार पड़ा एक युवक की आर्थिक मदद करने के लिए स्टालवार्ट फाउंडेशन के चेयरमैन संदीप गर्ग उनके निवास पर पहुंचे और उसके परिवार की आर्थिक मदद की।

समाजसेवी संदीप गर्ग ने कहा कि वह लाडवा हल्के के प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। उन्होंने कहा कि 11 वर्ष का युवक अमन पिछले तीन साल से बीमार घर पर पड़ा है और उसके दो ऑपरेशन भी हो चुके हैं और अब उसका तीसरा ऑपरेशन होना है। जिसके लिए उन्होंने फाउंडेशन की ओर से उन्हें नगद राशि देकर उनके ऑपरेशन में मदद की। उन्होंने कहा कि वह हमेशा उनके परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। यदि उनके परिवार को अपने बेटे अमन की बीमारी के लिए किसी भी प्रकार की कोई भी मदद या सहायता की आवश्यकता होगी तो वह उसे अवश्य पूरा करेंगे। वहीं उन्होंने कहा कि लाडवा व बाबैन रसोई में प्रतिदिन लोगों का रुझान बढ़ता ही जा रहा है और लोग प्रतिदिन दोपहर को 12 बजे से दो बजे तक दोनों रसोई में

खाना खाने के लिए पहुंच रहे हैं। वहीं बीमार अमन के पिता जयभगवान व ग्रामीणों ने समाजसेवी संदीप गर्ग का आभार जताते हुए कहा कि जो वह इस संकट की घड़ी में उनके बच्चे के लिए भगवान बनकर उनके घर पर पहुंचे हैं उसका एहसान कभी नहीं भुलाया जा सकता और हमेशा उसे याद रखा जाएगा और समय पड़ने पर उन्हें जो भी उनकी जरूरत होगी पूरे गांव के लोग उनकी मदद के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे।। मौके पर तरसेम कुमार, सुभाष चंद, रूलदा राम, कुलदीप सैनी, रामकुमार, पवन कुमार, रघुबीर सिंह आदि मौजूद थे।

रिटायर्ड सूबेदार को 30 हजार की लगाई चपत, कोका कोला का एरिया मैनेजर बता 5 बार में ठगे रुपये, केस दर्ज

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

अम्बाला, कोका कोला कंपनी का एरिया मैनेजर बता सेवा से रिटायर्ड सूबेदार को 30 हजार रुपये की चपत लगाने का मामला सामने आया है। रिटायर्ड सूबेदार ने महेश नगर थाना में आरोपी के खिलाफ शिकायत सौंपी है। पुलिस ने आरोपी ट्यूबवेल कॉलोनी महेश नगर निवासी नवीन कुमार पुत्र राजेंद्र सभ्रवाल के खिलाफ केस दर्ज किया है।

12 हजार रुपये का सामान लेने के साथ फ्रिज देने की कही थी बात

कृष्णा नगर बब्याल निवासी रिटायर्ड सूबेदार गुणपाल पुत्र भगवान सिंह ने बताया कि आर्मी से रिटायर्ड होने के बाद से वह किराने की दुकान चला रहा है। 6 मार्च को उसकी दुकान पर ट्यूबवैल कॉलोनी निवासी नवीन कुमार पुत्र राजेंद्र सभ्रवाल आया और कहने लगा वो कोका कोला कंपनी का एरिया मैनेजर है। इस दौरान उसने 12 हजार रुपये का सामान लेने के बाद कंपनी की ओर से फ्रिज देने की बात कही थी।

पांच बार ट्रांजैक्शन में 30 हजार की लगाई चपत

रिटायर्ड सूबेदार ने बताया कि आरोपी ने उसे पहले 4 हजार रुपये एडवांस जमा करने की बात कही थी। उसने तुरंत अपने बेटे के मोबाइल से नवीन कुमार के गुगल पे ट्रांसफर करा दिए। इस दौरान

नवीन ने कहा था कि कल सुबह तक सामान आ जाएगा। एक घंटे बाद फिर नवीन ने कॉल करके कहा कि 2 हजार रुपये और गूगल पे करने होंगे। उसने 2 हजार रुपये भी भेज दिए। 7 मार्च को सुबह साढ़े 9 बजे फिर कॉल आई और कहा कि समान ज्यादा रुपये का है 10 हजार रुपये और खाते में डालने होंगे। ऐसे धोखाधड़ी करते हुए नवीन कुमार ने पांच बार में 30 हजार रुपये की चपत लगाई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र भ्रमण हेतु आई दो यात्री बसों को गुरदयाल सिंह झंडी देकर रवाना किया

यात्रियों ने कुरुक्षेत्रा विकास बोर्ड द्वारा चलाए जा यात्री सूचना एवं सुविधा केंद्र की सराहना की

गजब हरियाणा न्यूज/रविन्द्र

पिपली, रविवार को महाराष्ट्र से दो बसें जिनमे 120 यात्री महाभारत की ऐतिहासिक स्थली कुरुक्षेत्र के धार्मिक स्थलों के भ्रमण करने के लिए पहुंचे थे। जिनका पिपली स्तिथ यात्री सूचना एवं सुविधा केंद्र में कुरुक्षेत्रा दर्शन के संस्थापक गुरदयाल सिंह ने स्वागत किया। यात्री सम्मान पाकर गद-गद हुए और कुरुक्षेत्रा विकास बोर्ड की सराहना की। कुरुक्षेत्रा दर्शन के संस्थापक गुरदयालसिंह ने स्वामी मुकेश पाटिल जी महाराज को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। यात्री बसों को कुरुक्षेत्र के दार्शनिक स्थलों कुरुक्षेत्र, इस्कॉन मंदिर, भीष्म कुंड नारकतारी, हर्षवर्धन का टीला, स्थानेश्वर महादेव मंदिर, गीता स्थली ज्योतिसर, मां भद्रकाली मंदिर, लक्ष्मी नारायण मंदिर, ब्रह्म सरोवर, तिरुपति बालाजी के दर्शनों के लिए कुरुक्षेत्रा दर्शन के संस्थापक गुरदयाल सिंह ने झंडी देकर रवाना किया।

स्वामी मुकेश पाटिल जी महाराज ने कहा हम पिछले 25 वर्षों से कुरुक्षेत्र में महाराष्ट्र के श्रद्धालुओं को महाभारत के ऐतिहासिक दार्शनिक स्थलों के दर्शन हेतु वर्ष में दो बार आते हैं। उन्हें जो मान-सम्मान आज मिला है उसे पाकर बहुत प्रसन्न हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है यात्री सूचना केंद्र की जीटी रोड की तरफ से इंट्री न होने और कुरुक्षेत्र रोड से गेट छोटा होने की वजह से परेशानी का सामना करना पड़ा, बसें भी अंदर नही जा सकी। गुरदयालसिंह ने बताया कि यह यात्री सूचना एवं सुविधा केंद्र पिपली में कुरुक्षेत्रा विकास बोर्ड द्वारा कुरुक्षेत्रा दर्शन के सहयोग से चलाया जा रहा है। जिसमे यात्रियों को उचित मूल्य पर रहना, खाना उपलब्ध कराया जा रहा है।

यह यात्री बसें कुरुक्षेत्र भ्रमण के उपरांत शाम को माता वैष्णो देवी दर्शनों हेतु रवाना हो गई। इस अवसर पर पंडित चेतन भारद्वाज, प्रमिल कुमार, नरेश पाटिल, अरुण शर्मा, भूषण कुमार, गोपाल, रमन कुलकर्णी, रामेश्वर श्री वास्तव, गोपाल पांडे, श्रीधर निवासन, हरिहर, मौजूद रहे।

रमाबाई अंबेडकर की जीवनी (27 मई विशेष)

रमाबाई अंबेडकर त्याग और बलिदान की ऐसी प्रतिमूर्ति थीं जिनके बल पर डॉ अंबेडकर ने देश के वंचित तबके का उद्धार किया। पत्नी रमाबाई के सहयोग से ही भीमराव अंबेडकर महापुरुष बन पाए।

बाबासाहेब भीमराव अपनी पत्नी रमा से अगाध प्रेम करते थे। अति निर्धनता में भी रमाबाई ने बड़े संतोष और धैर्य से परिवार का निर्वाह किया। हर मुश्किल वक्त में उन्होंने बाबासाहेब का साहस बढ़ाया।

प्रारम्भिक जीवन :

रमाबाई अंबेडकर का जन्म 7 फरवरी 1898 को महाराष्ट्र के वणंद गांव में एक गरीब परिवार में हुआ था। इनके बचपन का नाम रामी था। वहीं पिता का नाम भीकू धूत्रे (वणंदकर) व माता का नाम रुक्मणी था। इनके पिता कुलीगिरी करते थे, जिस कारण परिवार का पालन-पोषण बड़ी मुश्किल से होता था।

छोटी उम्र में ही माता-पिता की मृत्यु हो जाने के बाद रामी और भाई-बहन सभी चाचा और मामा के साथ मुंबई आ गए। मुंबई में ये लोग भायखला की चाल में रहते थे। साल 1906 में इनकी शादी भीमराव अंबेडकर के साथ हुई। शादी के वक्त इनकी आयु सिर्फ 9 साल और भीमराव की उम्र 14 साल थी। पति के प्रयत्न से रमा थोड़ा बहुत लिखना-पढ़ना भी सीख गई थी।

विवाह के बाद :

भीमराव अंबेडकर रमा को 'रामू' कह कर बुलाते थे और रमाबाई भीमराव को 'साहब' कह कर पुकारती थीं।

भीमराव के अमेरिका में रहने के दौरान रमाबाई ने कष्टों भरा दिन व्यतीत किया। उन्हें आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ा था लेकिन इसकी तनिक भी भनक उन्होंने बाबा साहेब को नहीं लगने दी।

दूसरी बार बाबासाहेब जब पढ़ाई के लिए इंग्लैंड चले गए। इंग्लैंड जाने से पहले उन्होंने रमाबाई को घर-परिवार चलाने के लिए रुपए तो दिए थे लेकिन रकम इतनी कम थी कि वो रुपए बहुत जल्दी खर्च हो गए। तब आर्थिक अभाव के कारण रमाबाई उपले बेचकर गुजारा करती थीं। सीमित खर्च में घर चलाते हुए उन्हें कभी धनाभाव की चिंता नहीं हुई।

चार बच्चों को खोने का दर्द :

साल 1924 तक बाबा साहेब और रमाबाई की पांच संतानें हुई। लेकिन बाबासाहेब और रमाबाई ने अपनी आंखों के सामने अभाव से अपने चार बच्चों को दम तोड़ते देखा। अपने चार-चार संतानों की मृत्यु देखने से बड़ी दु:ख की घड़ी और क्या हो सकती है।

उनका पुत्र गंगाधर ढ़ाई साल की उम्र में ही चल बसा। फिर रमेश नाम के पुत्र की मौत हुई। इंदु नाम की बेटी भी बचपन में ही चल बसी। इसके बाद सबसे छोटा पुत्र राजरतन भी नहीं रहा। एकमात्र इनका सबसे बड़ा पुत्र यशवंत राव ही जीवित रहा इनके चारों बच्चों ने अभाव के कारण ही दम तोड़ दिया।

बेटे गंगाधर की मृत्यु के बाद उसकी मृत देह को ढ़कने के लिए नए कपड़े

खरीदने को पैसे नहीं थे। तब रमाबाई ने अपनी साड़ी से टुकड़ा फाड़ कर दिया और फिर शव को वही ओढ़ाकर श्मशान घाट ले जाया गया और दफना दिया।

संतोष, सहयोग और सहनशीलता की मूर्ति : रमाबाई अंबेडकर

रमा को हमेशा इस बात का ख्याल रहता था कि पति के काम किसी तरह की बाधा न आए। यह महिला संतोष, सहयोग और सहनशीलता की मूर्ति थी। भीमराव अंबेडकर हमेशा घर से बाहर ही रहते थे। अपनी कमाई वे हमेशा रमा के हाथों में देते और जब जितनी जरूरत पड़ती उनसे मांग लेते। रमाबाई घर चलाने के बाद उसमें से कुछ पैसे बचा भी लेती थी।

उन्होंने हमेशा ही बाबासाहेब का पुस्तकों से प्रेम और समाज के उद्धार की दृढ़ता का सम्मान किया। भीमराव अंबेडकर के सामाजिक आंदोलनों में भी रमाबाई की सहभागिता रहती थी। दलित समाज के लोग रमाबाई को 'आईसाहेब' और डॉ. भीमराव अंबेडकर को 'बाबासाहेब' कह कर बुलाते थे।

रमाबाई और बाबासाहेब दोनों भाग्यशाली थे। क्योंकि रमा को भी उनका जीवन साथी बहुत ही अच्छा और साधारण मिला था, वहीं बाबासाहेब को भी रमाबाई जैसी नेक और आज्ञाकारी जीवनसाथी मिली थी। भीमराव के जीवन में रमाबाई का कितना महत्व था, यह उनके द्वारा लिखी गई पुस्तक की कुछ लाइनों से पता चलता है।

साल 1940 में डॉ. अंबेडकर ने 'थॉट्स ऑफ पाकिस्तान' नामक पुस्तक अपनी पत्नी को भेंट किया था। जिसमें लिखा था रमो को उसके मन की सात्विक, मानसिक, सदाचार, सदवृत्ति की पवित्रता व मेरे साथ कष्ट झेलने में, अभाव व परेशानी के दिनों में जब मेरा कोई सहायक न था, सहनशीलता और सहमति दिखाने की प्रशंसा स्वप्न भेंट करता हूं!

धार्मिक प्रवृत्ति :

रमाबाई बहुत ही सदाचारी और धार्मिक प्रवृत्ति वाली महिला थीं। उन्हें महाराष्ट्र के पंढ़रपुर में विठ्ठल-रुक्मणी के प्रसिद्ध मंदिर में जाने की बहुत इच्छा थी। लेकिन तब हिंदू मंदिरों में अछूतों को प्रवेश नहीं करने दिया जाता था। भीमराव रमाबाई को हमेशा यह बात समझाते कि, जहां उन्हें अंदर जाने की मनाही हो, इस तरह के मंदिरों में जाने से उद्धार नहीं हो सकता।

लेकिन कभी-कभी रमा वहां जाने की जिद कर बैठती। बहुत जिद करने पर एक बार बाबासाहेब उन्हें पंढ़रपुर ले गए। लेकिन अछूत होने की वजह से उन्हें प्रवेश करने की अनुमति नहीं मिली और उन्हें विठोबा के बिना दर्शन किए ही लौटना पड़ा।

बाबासाहेब की चारों तरफ फैलती कीर्ति व राजगृह की भव्यता भी रमाबाई की तबीयत में सुधार नहीं कर पाई। बीमार हालत में भी वह हमेशा अपने पति की व्यस्तता और सुरक्षा को लेकर चिंतित रहती थीं। ऐसी हालत में भी वह भीमराव का पूरा ख्याल रखती थीं।

मृत्यु

रमाबाई की तबीयत हमेशा खराब रहती थी। बाबासाहेब उन्हें धारवाड ले गए लेकिन स्थिति में सुधार नहीं आया। एक तरफ पत्नी की बीमारी और दूसरी तरफ चार-चार बच्चों की मृत्यु के गम में बाबासाहेब हमेशा उदास रहते थे। 27 मई 1935 को रमाबाई की मृत्यु के कारण डॉ. अंबेडकर पर दु:खों का पहाड़ टूट पड़ा।

पत्नी की मृत्यु पर वे बच्चों की तरह फूट-फूट कर रोए थे। रमाबाई के परिनिर्वाण में 10 हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया। रमाबाई के निधन से बाबासाहेब को इतना धक्का पहुंचा कि उन्होंने अपना बाल मुंडवा लिया। पत्नी की मौत के बाद वे बहुत ही दु:खी और हमेशा उदास रहने लगे।

उन्हें इस बात की तकलीफ थी कि जो जीवन साथी दु:खों के समय में उनके साथ जूझती रही, अब जब सुख का समय आया तो वह सदा के लिए बिछुड़ गई। बाबासाहेब भगवा वस्त्र धारण कर गृह त्याग के लिए साधुओं जैसा व्यवहार करने लगे।

रविदासिया कौम के अमर शहीद संत रामानंद जी महाराज (25 मई विशेष)

रविदासिया कौम के अमर शहीद संत रामानंद जी

श्री 108 संत निरंजन दास जी महाराज, श्री 108 बाबा पीपलदास जी महाराज, श्री 108 स्वामी सरवण दास जी महाराज, श्री 108 संत हरिदास जी, श्री 108 संत गरीबदास जी महाराज, जैसे कुछ अद्वितीय व्यक्तित्व इस अद्भुत दुनिया में जन्म लेते हैं जो समाज की सेवा में अपने महान कार्यों के माध्यम से अमर हो जाते हैं। हालांकि सच्चे संत पूरी मानवता के लिए ज्ञान के प्रकाशस्तंभ हैं। देश की सीमाओं, रंग, जाति और पंथ के आधार पर विभाजन उनके लिए अर्थहीन हैं। संत, बरगद की घनी छाया के समान हैं, जो मनुष्य के कुकर्मों से उत्पन्न अत्यधिक गर्मी के विरुद्ध ठंडी पश्चिमी हवा के माध्यम से आश्रय और सांत्वना प्रदान करते हैं।

संत रामानंद जी के पिता श्री मेहंदी राम जी और अन्य पूर्वज, जो डेरा सचखंड बल्लां के महान संत, महापुरुष थे, 1910-15 के दौरान बल्लां गांव से गांव अलावलपुर, जिला जालंधर में बसने के लिए चले गए। प्रकृति नई ऐतिहासिक घटनाओं को बनाने के लिए अनोखे तरीके खोजती है। ऐसा ही कुछ इस परिवार के जीवन में भी हुआ। एक सामान्य विवाहित जीवन व्यतीत करते हुए, श्री मेहंदी राम जी और बीबी जीत कौर जी ने कभी नहीं सोचा था कि उन्हें एक ऐसा पुत्र प्राप्त होगा जो पूरे उदास समुदाय को एक माला में पिरोकर एकजुट करने का महान कार्य करेगा और एक स्थान पर सर्वांगीण गौरव लाने में एक अद्भुत भूमिका निभाएगा। विश्वविख्यात डेरा सचखंड बल्लां जिस पर आने वाली पीढ़ियां हमेशा गौरवान्वित महसूस करेंगी। श्री 108 संत निरंजन दास जी और संत रामानंद जी के अथक प्रयासों के कारण, अब डेरा सचखंड बल्लां को पूरी मानवता और खासकर दलितों के लिए सबसे बड़े तीर्थ के नाम से जाना जाता है। अतीत के आध्यात्मिक नेताओं की महान विरासत को समझना और उनकी सराहना करना और उनके द्वारा छोड़े गए पदचिन्हों पर आगे बढ़ना हमेशा वर्तमान आध्यात्मिक नेताओं का आदर्श रहा है।

जन्म

रविदासिया कौम के अमर शहीद श्री 108 संत रामानंद जी का जन्म 2 फरवरी 1952 को धन्य माता-पिता श्री मेहंदी राम जी और श्रीमती जीत कौर जी के घर हुआ था। वे जन्म से ही साधु स्वभाव के थे। उनके आकर्षक लुक ने मोहल्ले के लोगों का मन मोह लिया। उन्होंने जालंधर के दोआबा कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। एक छात्र के रूप में वे हमेशा गहरे विचारों में रहते थे। उन्हें बचपन से ही संतों का साथ पसंद था जो उनकी भक्ति के कारण उन्हें दिव्य ज्ञान की ओर ले जाना था। परिवार के कुछ सदस्यों ने रामानंद को संतों की संगति से दूर रखने की मांग का कड़ा विरोध शुरू कर दिया। घर में अक्सर धार्मिक प्रवचन होते रहते थे। संत रामानंद जी घर का काम करते हुए भी हर पल ध्यान में भगवान से प्रार्थना करते थे। अंत में, रामानंद जी श्री 108 संत हरि दास जी, डेरा सचखंड, बल्लां के पावन चरणों की सेवा में थे। उन्हें श्री 108 संत हरि दास जी द्वारा 'नामदान' का आशीर्वाद दिया गया था। संत रामानंद जी ने सन् 1973 से बल्लां गांव में बाबा पीपल दास जी की स्मृति में बने सुंदर मंदिर में रहकर प्रभु का ध्यान करते रहे। संत रामानंद जी भक्तों की सेवा में बने रहे और ब्राह्मण श्री 108 संत हरि दास जी और श्री 108 संत गरीब दास जी के जीवन काल में प्रतिदिन श्री गुरु रविदास जी महाराज की उपमा में भजन गाते हुए धार्मिक प्रवचनों का आयोजन किया।

नामदान :

संत रामानंद जी ने श्री 108 संत हरि दास जी से 'नामदान' प्राप्त किया था और उन्हें श्री 108 संत गरीब दास जी द्वारा एक संत के रूप में दीक्षा दी गई थी। उन्हें श्री गुरु रविदास जी के उपदेशों के प्रचार और प्रसार के लिए बाद वाले के साथ कई देशों

की यात्रा करने का सौभाग्य मिला। बाद में उन्होंने वर्तमान आध्यात्मिक प्रमुख श्री 108 संत निरंजन दास जी के निर्देशन में कई देशों का दौरा किया और कई मंदिरों के निर्माण और विदेशों में श्रद्धालुओं को श्री गुरु रविदास जी के उपदेशों से जोड़ने में मदद की। वे सभी विदेशी श्रद्धालुओं के बीच प्रिय थे। उनके आध्यात्मिक प्रवचनों की मधुर धुन सुनकर भक्त मंत्रमुग्ध हो गए।

वह एक कुशल प्रशासक थे जो डेरे के मामलों को सुरुचिपूर्ण ढंग से प्रबंधित करते थे। दुनिया भर में संतों की मंडली के माध्यम से श्री गुरु रविदास जी की शिक्षाओं का प्रचार और प्रसार करते हुए, उन्होंने डेरा सचखंड बल्लां द्वारा संचालित कई धर्मार्थ परियोजनाओं के तहत मानवता की सेवा में विभिन्न कार्यों को करने में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई। उन्होंने डेरा सचखंड बल्लां द्वारा प्रकाशित 'बेगमपुरा शहर' के संपादक के रूप में प्रशंसनीय सेवाएं प्रदान कीं, जिसके लिए उन्हें दलित साहित्य अकादमी द्वारा प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वह पहली बार था जब उन्होंने यूनाइटेड किंगडम में हाउस ऑफ कॉमन्स में श्री गुरु रविदास जी के बारे में अपना भाषण देते हुए इतिहास रचा था। वह गुरबानी के एक महान विद्वान और अत्यंत सरल उदाहरणों के माध्यम से उसी के जटिल विवरण को समझाने में माहिर थे। उन्होंने न केवल डेरा सचखंड बल्लां में श्री गुरु रविदास संगीत अकादमी की स्थापना की, बल्कि उनकी दूरदर्शी प्रवृत्ति ने कई प्रतिभाशाली मिशनरी गायकों, कवियों और लेखकों की पहचान की, जिन्हें स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया था। जालंधर दूरदर्शन ने उनकी मनमोहक आवाज में अमृतवाणी श्री गुरु रविदास जी और बेगमपुरा शहर को नाऊ नामक कार्यक्रमों का प्रसारण किया।

डेरा सचखंड बल्लां द्वारा संचालित विभिन्न संस्थाओं के भवनों के निर्माण में संत रामानंद जी का विशेष योगदान रहा। जब निम्नलिखित प्रतिष्ठानों के नए भवन निर्माणाधीन थे, संत रामानंद जी एक कुशल कार्यकर्ता के रूप में अग्रणी भूमिका निभाते थे और श्रद्धालुओं के विश्राम के अनुरोध के बावजूद, वे सभी को प्रेरणा देते हुए घंटों काम करते हुए उदाहरण पेश करते थे :

* श्री गुरु रविदास जन्म स्थान मंदिर, सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी।
* संत सरवन दास चैरिटेबल हॉस्पिटल, अड्डा कठार।
* श्री गुरु रविदास सत्संग भवन, बल्लां।
* श्री गुरु रविदास मंदिर हदियाबाद, फगवाड़ा।
* संत सरवन दास मॉडल हाई स्कूल हदीबाद, फगवाड़ा।
* संत सरवन दास चैरिटेबल आई हॉस्पिटल, बल्लां।
* श्री गुरु रविदास मंदिर, सिरगढ़, हरियाणा।
* बाबा पीपल दास जी की कर्मभूमि और संत सरवन दास जी का जन्म स्थान, गिल पट्टी, बठिंडा।
* श्री गुरु रविदास मंदिर, कातरज, पुणे।

संत रामानंद जी एक अथक और दृढ़निश्चयी योद्धा थे। जिन्होंने बिना थके या परेशान हुए मिशनरी कार्यों को पूरा करने के लिए दिन-रात काम किया। वह अक्सर कहा करते थे कि कोई भी समय महाराज जी की सेवा में कितना भी लगा सकता है, केवल वही उपयोगी है, क्या पता कि कोई अवसर फिर से मिलेगा या नहीं।

जबकि श्री 108 संत निरंजन दास जी महाराज आध्यात्मिक अध्यक्ष, डेरा सचखंड बल्लां और गुरु-घर के गुरु-घर के प्रतिपादक, प्रभु के भक्त, महान 'वैद्य', श्री गुरु रविदास मिशन के उपरिकेंद्र और संत समाज के अनमोल हीरे को प्रस्तुत करते हैं। श्री 108 संत रामानंद जी श्री गुरु रविदास जी के उपदेशों का प्रचार और प्रसार करने के मिशन पर थे, ऑस्ट्रिया के वियना में श्री गुरु रविदास मंदिर के अंदर मानवता के दुश्मनों ने हमला किया और उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। गोली लगने के बाद भी संत रामानंद जी जगतगुरु रविदास जी के नाम का जाप करते रहे कि वे अभी भी अपने मिशन के प्रचार और प्रसार के लिए बहुत कुछ करना चाहते हैं। लेकिन नियति ने अन्यथा किया और वह 25 मई, 2009 को सुबह-सुबह अपने स्वर्गीय निवास के लिए इस अल्पकालिक दुनिया को छोड़कर चले गए।

संत रामानंद जी महाराज ने जगतगुरु संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज के उपदेश 'सत्संग मिल रही माधो जैसे मधुप मखीरा (हे भगवान! हमें मधुमक्खियों की तरह एकजुट रहने के लिए आशीर्वाद देते हुए) का प्रचार करते हुए शहादत को गले लगा लिया, उनके स्वर्गीय निवास के लिए उनके प्रस्थान तक सलाह दी। श्री गुरु रविदास जी के अनुयाई विश्व स्तर पर हमेशा एकजुट रहें।

ऑस्ट्रिया के वियना में सबसे दुर्भाग्यपूर्ण घटना के कारण संत रामानंद जी शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके नेक विचार हमें सही रास्ते पर ले जाने के लिए हमेशा हमारे साथ रहेंगे।

अमृतवाणी

श्री गुरु रविदास जीऊ की।
जय गुरुदेव जी

वाणी : एकै माटी के सभी भाडें एको सिरनजनहारा ।। रविदास व्यापै एको घट भीतर एकै घढै कुम्हारा ।।

व्याख्या : श्री गुरू रविदास महाराज जी पवित्र अमृतवाणी में फरमान करते हुए कहते हुए कहते है कि जैसे एक कुम्हार एक ही माटी से अनेक तरह के बर्तन तैयार करता है ऐसे ही संसार के सभी जीवों को एक ही माटी भाव पांच तत्वों वायु, अग्नि, जल, धरती और आकाश से एक प्रभु ने पैदा किया है । सब जीवों को एक ही मिटी भाव पांच तत्वों वायु, अग्नि, जल, धरती और आकाश से एक प्रभु ने पैदा किया है । सब जीवों में प्रभु विद्यमान है । सब जीवों को बचाने वाला एक ही प्रभु है इस लिए संसार के सभी जीव एक समान है ।

दास: सुरेश कुमार, मुंडा माजरा ,यमुनानगर

सामान्य ज्ञान हरियाणा (महत्वपूर्ण)

1.हरियाणा के प्रथम राज्यपाल : धर्मवीर
2.हरियाणा के प्रथम मुख्यमंत्री : भगवत दयाल शर्मा
3.हरियाणा राज्य का पहला राष्ट्रीय उद्यान : सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान, 1989
4.हरियाणा राज्य के प्रथम आकाशवाणी केंद्र की स्थापना : रोहतक (स्थापना- 8 मई 1976)
5.हरियाणा राज्य का एकमात्र दूरदर्शन केंद्र : हिसार दूरदर्शन केंद्र (स्थापना - 1 नवंबर 2002)
6.राज्य की पहली कैशलेस यूनिवर्सिटी : कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी
7.राज्य का पहला गुलाबी महिला पुलिस थाना : पंचकूला
8.हरियाणा का पहला आधुनिक सोचालय कहां पर बनाया गया : करनाल में
9.हरियाणा राज्य का प्रथम कैशलेस गांव : नीलावली गांव
10.हरियाणा राज्य का पहला सुरक्षा विश्वविद्यालय बनाया किस जिले में बनायाजा रहा है : करनाल
11.राज्य में पहला राष्ट्रपति शासन लगा : 20 नवंबर 1967 से 21 मई 1968
12.हरियाणा राज्य के प्रथम स्वांगी : किशनलाल भट्ट (मेरठ निवासी)
13.हरियाणा राज्य के प्रथम हिंदी साहित्यकार : चौरंगीनाथ
14.पंजाब - हरियाणा उच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश : न्यायमूर्ति रामलाल
15.राज्य का प्रथम राष्ट्रीय समाचार: दैनिक हरिभूमि
16.हरियाणा राज्य के प्रथम सूफी संत : शेख मोहम्मद तुर्क
17.हरियाणवी भाषा की पहली फिल्म : हरफूल सिंह जाट जुलाणी (1970)
18.हरियाणवी भाषा की प्रथम सफल फिल्म : बहुरानी (1983)
19.राज्य के प्रथम एवं एकमात्र परमवीर चक्र विजेता : मेजर होशियार सिंह
20.राज्य की प्रथम महिला राज्यपाल : चंद्रावती
21.हरियाणा राज्य का प्रथम पुलिस जिला : हांसी
22.हरियाणा राज्य की पहली विधायिका : स्नेहलता
23.राज्य के प्रथम राज्य कवि : उदयभान हंस
24.राज्य की प्रथम पत्रिका : हरियाणा शोध पत्रिका
25.अंतरिक्ष में जाने वाली हरियाणा राज्य की प्रथम महिला : कल्पना चावला
26.हरियाणवी भाषा का प्रथम उपन्यास : झाड़ूपिरी
27.हरियाणा राज्य के प्रथम समाचार पत्र संपादक: देवीशंकर
28.हरियाणा राज्य का प्रथम हिंदी समाचार पत्र : जैन प्रकाश
29.एवरेस्ट पर चढ़ने वाली हरियाणा की प्रथम महिला : संतोष यादव

बुद्ध कथा

सिद्धार्थ का मार्मिक स्वभाव

एक बार राजा शुद्धोधन सिद्धार्थ को लेकर वार्षिकी खेत जुताई के समारोह में लेकर गए थे। राजा शुद्धोधन को एक रीत को पूरा करना था, उस वक्त खेत का सबसे पहला हल राजा जोतते थे। इसलिए राजा के लिए बैलो की जोड़ी को सजा कर लाया गया था। सिद्धार्थ को एक सेव के पेड़ के नीचे बैठा दिया। राजा शुद्धोधन ने बैलो को कमान देकर खेत को जोतना शुरू किया सभी लोग बहूत खुस हुए, लेकिन सिद्धार्थ की नजर सिर्फ बैलों पर थी। सिद्धार्थ को बैलों का दु:ख साफ़ नज़र आ रहा था।

तब सिद्धार्थ ने मान लिया की किसी भी तरह से एक वक्त में सभी खुश नहीं हो सकते हैं। इस प्रकार सिद्धार्थ(महात्मा बुद्ध) अपने चारों और घटने वाली घटनाओं का सूक्ष्म स्तर पर अवलोकन करते थे।

जब से राजा शुधोधन ने सिद्धार्थ को लेकर भविष्यवाणी सुनी, सिद्धार्थ को एसी जिंदगी दी जिसमे न तो वह ज्यादा सोच सकता था, ना ही अपने विचारों से भटक सकता था। यहाँ तक की सिद्धार्थ के आमने सामने सभी दास और नौकर भी हृष्ट पुष्ट रहते थे।

सिद्धार्थ को तीस वर्ष की उम्र तक शुद्धोधन ने वह जिंदगी दी जिसमे उसको इस बात की भनक लगने नही दी की कभी मिटटी भी हवा के साथ उड़ सकती हैं। राजा शुद्धोधन ने सभी ऋतुओं के लिए अलग अलग महल बनवाये। ताकि सिद्धार्थ को कोई तकलीफ न हों। 16 वर्ष की आयु में सिद्धार्थ का विवाह करवा दिया। इसके बाद सिद्धार्थ यशोधरा में खोये रहते थे। यह सब कुछ तीस वर्ष की उम्र तक चलता रहा, जब तक सिद्धार्थ ने उन चार घटनाओं को नहीं देखा।

'गजब हरियाणा' समाचार पत्र में विज्ञापन, लेख व समाचार देने के लिए सम्पर्क करें।

91382-03233

कुते भोंकते रहेंगे

जिब्रान की एक प्रसिद्ध कहानी है कि एक कुत्ता गुरु हो गया और उसने बाकी कुत्तों को समझाना शुरू कर दिया कि तुम कब तक भोंकते रहोगे?

भोंकने की वजह से हमारी जाति का ह्रास हुआ है। सब शक्ति भोंकने में चली जाती है।

नहीं तो हम अब तक दुनिया में राज्य कर रहे होते। रोको, नियंत्रण करो, संयम साधो।

कुत्ते सुनते उसकी बात, जंचती भी, लेकिन गले में जब भोंकने का खयाल उठता और जब गले में सुरसुरी दौड़ती, तो फिर सिद्धांत काम न आते, कुत्ते भोंक लेते।

गुरु समझाता रोज। और गुरु को वे बड़ा महान व्यक्ति मानते क्योंकि गुरु कभी भोंकता हुआ नहीं पाया गया, इसलिये आचरण और सिद्धांत में समानता थी।

और इसी को लोग कहते हैं कि जब तुम खोजने जाओ तो सिद्धांत और आचरण में समानता पाओ, समझना कि यही आदमी है गुरु।

इतना सस्ता नहीं है मामला। इतना आसान भी नहीं है।

क्योंकि लोग सिद्धांत और आचरण में समानता बिठा सकते हैं। और ऐसा ही हुआ था।

वह कुत्ता भी जो गुरु हो गया था, भोंकना चाहता था; लेकिन भोंकने लायक ताकत ही नहीं बचती थी।

समझाने में ही भोंकना निकल जाता था।

दिन भर सुबह से सांझ, रात, गांव भर में घूमता जगह-जगह कुत्ते भोंकते मिलते, वहीं टोकता, रुको! तो उसका गला ही थक जाता।

आखिर कुत्ते भी गुरु से परेशान हो गये और उन्होंने कहा कि बेचारा अब थका जाता है, बूढ़ा हो गया है।

हम कभी इसकी मानते भी नहीं।

इसकी बात ठीक भी मालूम पड़ती है, बुद्धि को, लेकिन जब गले में खुसखुसाहट उठती है और जब गले में रस आता है भोंकने का, तो फिर हमसे नहीं रहा जाता।

यह हमारी प्रकृति है। और यह ऊंची बातें कर रहा है परमात्मा की।

यह ठीक कह रहा है कि भोंकना बंद कर दो, तो तुम ध्यानी हो जाओ!

एक दिन लेकिन उन्होंने कहा कि अब यह बूढ़ा हो गया है, और मरने के करीब है। एक दिन तो हम इसकी मान लें।

तो सारे गांव के कुत्तों ने तय किया कि आज रात चाहे कुछ भी हो जाये, कितनी ही मुसीबत हो, कितना ही हमें लोटना-पोटना पड़े--करेंगे, लेकिन भोंकेंगे नहीं। अपने मुंह पर नियंत्रण रखेंगे। संयम साधेंगे।

ऐसी ही दशा बहुत से संन्यासियों की हो जाती है।

ब्रह्मचर्य साधेंगे, संयम साधेंगे, लोटेंगे-पोटेंगे, लेकिन संयम न तोड़ेंगे।

बड़ी मुसीबत हुई। कुत्ते बड़ी मुसीबत में पड़े। एक-एक कोने में पड़ गये गलियों में जाकर।

बड़ी बेचैनी भीतर से आने लगी। रोज का वक्त पैदा हो गया, भोंकने का समय आ गया।

कभी पुलिसवाला निकल जाता और दिल भोंकने का होता।

कभी पोस्टमैन आ जाता और दिल भोंकने का होता।

चारों तरफ वासना को जगाने वाले उपकरण थे, लेकिन उस दिन तय ही किया था कुत्तों ने।

और हर कुत्ते ने कहा कि जब तक कोई दूसरा न भोंके, तब तक तो हम रहेंगे ही संयम साधे।

कोई नहीं भोंका। कुत्ते चुप ही रहे।

लेकिन आधी रात को एक कुत्ते ने भोंकना शुरू किया, फिर संयम नहीं रुक सका। फिर उन्होंने कहा, जब टूट ही गई बात तो हम क्यों नाहक तड़फें, पूरा गांव एकदम भयंकर...

क्योंकि इकट्ठे कुत्ते कई घंटे से चुप थे। ऐसा भोंकना कभी हुआ ही नहीं था। पूरा गांव जग गया।

ऐसा ही होता है। जब धार्मिक समाज भ्रष्ट होता है तो ऐसा ही होता है।

बहुत दिन तक साधा हुआ संयम जब टूटता है तो ऐसा ही होता है।

यह भारत की ऐसी दशा है कि कोई दोत्तीन हजार साल से बड़ा संयम, ब्रह्मचर्य साध-साधकर लोग बैठे हैं अपने-अपने कोनों में।

भोंक नहीं रहे हैं। फिर उन्होंने भोंकना शुरू किया तो सारा... ।

जैसे ही वे भोंके, चकित हुए! क्योंकि इतनी देर, बारह बजे रात तक नेता का कोई पता न चला। गुरु कहां था, पता ही न चला।

अचानक जैसे ही भोंके, गुरु आ गया और उसने कहा कि देखो, इसी के कारण हमारा पतन हुआ है। कितना तुम्हें समझाया, लेकिन तुम बाज नहीं आते। कब तुम छोड़ोगे यह अज्ञान? कब तुम्हें ज्ञान होगा?

खलील जिब्रान कहता है, और राज की बात यह है कि सांझ से गुरु घूमा गांव में, लेकिन सब कुत्ते सन्नाटा साधे थे।

उसे बोलने का मौका ही नहीं आया क्योंकि चुप ही थे, कहना क्या? किससे कहो कि चुप हो जाओ?

बारह बजे तक वह घबड़ा गया और बारह बजे तक न बोलने के कारण उसके गले में सरसरी दौड़ने लगी।

आखिर उससे न रहा गया। और फिर वह हिस्सा भी नहीं था निर्णय का।

सारे लोगों ने निर्णय किया था-- सारे कुत्तों ने; वह तो निर्णय के बाहर था।

उसे पता भी नहीं था कि मामला क्या है!

एक गली के अंधेरे में जाकर वह जोर से भोंका--वही पहला कुत्ता था!

फिर जब उसका भोंकना हो गया तो सारा गांव भोंकने लगा।

जब सारा गांव भोंका, गुरु फिर आ गया समझाने कि देखो, इसी से हमारा पतन हुआ है। कब तुम रुकोगे?

तुम भी जब बोलते हो तो वह बोलना रोग है, या तुम्हारी शून्यता से, तुम्हारे मौन से निकलता है? वह तुम्हारी बीमारी है, रेचन है।

कचरा तुम फेंक रहे हो अपने बाहर, हल्का कर रहे हो अपने को, या तुम्हारे पास कुछ बहुमूल्य है, जो तुम देना चाहते हो?

बोलो तभी, जब तुम्हारे बोलने में कुछ हीरे हों, जो तुम बांटना चाहते हो।

दूसरे के सिर पर कचरा क्यों डाल रहे हो? व्यर्थ की बातें क्यों बोल रहे हो?

ओशो (जोबरा दा बुद्धा)

न्यायधीश का अनोखा दंड

अमेरिका में एक पंद्रह साल का लड़का था, स्टोर से चोरी करता हुआ पकड़ा गया। पकड़े जाने पर गार्ड की गिरफ्त से भागने की कोशिश में स्टोर का एक शेल्फ भी टूट गया।

जज ने जुर्म सुना और लड़के से पूछा, क्या तुमने सचमुच चुराया था ब्रैड और पनीर का पैकेट?

लड़के ने नीचे नज़रें कर के जवाब दिया- जी हाँ।

जज : क्यों ?

लड़का : मुझे ज़रूरत थी।

जज : खरीद लेते।

लड़का : पैसे नहीं थे।

जज: घर वालों से ले लेते।

लड़का: घर में सिर्फ मां है। बीमार और बेरोज़गार है, ब्रैड और पनीर भी उसी के लिए चुराई थी।

जज: तुम कुछ काम नहीं करते ?

लड़का: करता था एक कार वाश में। मां की देखभाल के लिए एक दिन की छुट्टी की थी, तो मुझे निकाल दिया गया।

जज: तुम किसी से मदद मांग लेते?

लड़का: सुबह से घर से निकला था, लगभग पचास लोगों के पास गया, बिल्कुल आख़िर में ये क़दम उठाया।

जिरह ख़त्म हुई, जज ने फैसला सुनाना शुरू किया, चोरी और विशेषतौर से ब्रैड की चोरी बहुत ही शर्मनाक अपराध है और इस अपराध के हम सब जिम्मेदार हैं।

अदालत में मौजूद हर शख़्स.. मुझ सहित सभी अपराधी हैं, इसलिए यहाँ मौजूद प्रत्येक व्यक्ति पर दस-दस डालर का जुर्माना लगाया जाता है। दस डालर दिए बग़ैर कोई भी यहां से बाहर नहीं जा सकेगा।

ये कह कर जज ने दस डालर अपनी जेब से बाहर निकाल कर रख दिए और फिर पेन उठाया लिखना शुरू किया: इसके अलावा मैं स्टोर पर एक हज़ार डालर का जुर्माना करता हूं कि उसने एक भूखे बच्चे से इंसानियत न रख कर उसे पुलिस के हवाले किया।

अगर चौबीस घंटे में जुर्माना जमा नहीं किया तो कोर्ट स्टोर सील करने का हुक्म देगी।

जुर्माने की पूर्ण राशि इस लड़के को देकर कोर्ट उस लड़के से माफी चाहती है।

फैसला सुनने के बाद कोर्ट में मौजूद लोगों के आंखों से आंसू तो बरस ही रहे थे, उस लड़के की भी हिचकियां बंध गईं। वह लड़का बार बार जज को देख रहा था जो अपने आंसू छिपाते हुए बाहर निकल गये।

क्या हमारा समाज, सिस्टम और अदालत इस तरह के निर्णय के लिए तैयार हैं?

चाणक्य ने कहा था कि यदि कोई भूखा व्यक्ति रोटी चोरी करता पकड़ा जाए तो उस देश के लोगों को शर्म आनी चाहिए।

कुछ नही मिलेगा

बुद्ध की मूर्ति के आगे कभी कुछ मांगना मत, कुछ नहीं मिलेगा. न पूजा करना, न प्रार्थना.. न हाथ फैलाना न झोली। कोई दया की भीख मांगे या सुख का आशीर्वाद। कुछ हासिल नहीं होगा।

क्योंकि बुद्ध पुरुष सिर्फ रास्ता बताते हैं हमें कुछ देते नहीं है। भगवान बुद्ध तो मनुष्य के भीतर सोए हुए चित्त को जगाते हैं, जागृत करते हैं। मनुष्य को उसकी अपार क्षमता का एहसास कराते हुए सभी को बुद्ध बनने के लिए प्रेरित करते हैं ताकि हर व्यक्ति बुद्ध बनें और अपनी सुख शांति के लिए किसी के आगे दया की भीख नहीं मांगे. बहुत कहते हैं - रास्ता लम्बा है लेकिन चलना तो तुम्हें ही पड़ेगा।

बुद्ध पुरुष मांगने से न संतान देते हैं और न सम्पति। न धन देते हैं न पद, न मान देते हैं न प्रतिष्ठा. इसलिए कभी भी गौतम बुद्ध की प्रतिमा के आगे प्रार्थना मत करना। उनकी प्रशंसा के मंत्र पढ़कर खुशामदी करने व फुसलाने की सारी कोशिशें बेकार जाएगी. क्योंकि तथागत बार बार कहते हैं- मैं तो सिर्फ दुख मुक्ति का सही मार्ग बता सकता हूं कोशिश तो तुम्हें ही करनी पड़ेगी।

धूपबत्ती, माला चढ़ाकर खुश करने या चापलूसी करने की कोशिश करेंगे तो सब व्यर्थ होगा क्योंकि गौतम बुद्ध अब इस दुनिया में नहीं हैं। तो कोई लाख कोशिश करें कुछ हासिल होने वाला नहीं है।

अब तो सिर्फ उनका बताया हुआ सत्य का मार्ग हैं, मानव कल्याण का धम्म है. चार आर्य सत्य और अष्टांगिक मार्ग है। शील, समाधि और प्रज्ञा का मार्ग है। बुद्ध प्रेम, करुणा व मैत्री में है।

इसलिए आज कहीं कोई व्यक्ति बुद्ध की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाएं, बुद्ध को गाली देवे तो गुस्सा मत करना। क्योंकि बुद्ध न बुद्ध विहारों में है, न शास्त्रों में है, न मूर्तियों में।

बुद्ध से मिलना हो तो उनके मार्ग पर चलना पड़ेगा। बुद्ध तो व्यक्ति के आचरण में हैं, शीलों के पालन में झलकते है, बुद्ध के दर्शन तो ध्यान साधना द्वारा भीतर झांककर मन को निर्मल करने से होते है। बाहर भटकने से कुछ नहीं मिलेगा।

हां! यदि ज्ञान, ध्यान और शील, समाधि व प्रज्ञा के मार्ग पर चलते हुए बुद्ध का रास्ता आनंद व सुखमय लगे, मानव कल्याण का लगे तो बुद्ध के प्रति श्रद्धा के साथ वंदन जरूर करना।

बुद्ध की मूर्ति के आगे यह कृतज्ञता जरूर प्रकट करना, आभार व्यक्त करना कि, हे तथागत बुद्ध ! आप इस धरती पर आए, सत्य का मार्ग बताया, धम्म दिया और संपूर्ण मानव जगत का कल्याण कर गए। मांगना नहीं बल्कि यह कहना कि हम आपके दिए पंचशील के मार्ग पर चल रहे हैं। घर के आंगन में या विहार में स्थापित मूर्ति के आगे हाथ जोड़ वंदन जरुर करना कि हे महाकारुणिक ! आपने अंधविश्वास, कल्पना, चमत्कार और निरर्थक बातों से परे मनुष्य को जीवन में सुख शांति का 'धम्म' दिया और बुद्ध के धम्म के द्वितीय शासन (शिक्षाओं) काल में मनुष्य जीवन पाकर हम धन्य हैं।

सबका मंगल हो......सभी प्राणी सुखी हो
प्रस्तुति : डॉ. एम एल परिहार, जयपुर

सात साल बेमिसाल, आमजन बेहाल : सुरेंद्र सैनी

भाजपा को अपनी पीठ थपथपाने की बजाए आमजन की समस्याओं का करना चाहिए हल

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। कांग्रेसी नेता सुरेंद्र सैनी भिवानी खेड़ा ने बीजेपी के सात बेमिसाल पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भले ही भाजपा के लिए पिछले सात वर्ष बेमिसाल रहे हैं। लेकिन इन सात वर्षों में आमजन बेहाल रहा है। शहर की टूटी फूटी सड़कें, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार और अनेकों ऐसी समस्याएं जिनके चलते आमजन को मुश्किलों से गुजरना पड़ रहा है। ऐसे में भाजपा इन सात वर्षों को बेमिसाल मानते हुए अपनी पीठ थप थपा रही है। जबकि धरातल पर सच्चाई इसके विपरीत है।

उन्होंने कहा कि पिपली से थर्ड गेट तक बनने वाली सड़क पिछले सात साल से बन रही है और आज तक नहीं बन पाई है। सोशल मीडिया पर इस सड़क को लेकर ना जाने अनेकों प्रतिक्रिया की गई है। लेकिन उसके बावजूद भी सड़क आज तक पूरी नहीं हो पाई है। जो कि सात साल बेमिसाल की भाजपा सरकार की उपलब्धियों को चिढ़ाने का काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि बेरोजगारी से युवा हताश हो चुका है। यूवा रोजगार के लिए धक्के खा रहा है। महंगाई से आमजन को दो वक्त की रोटी का जुगाड़ करना मुश्किल हो गया है। ऐसे में यह सात साल बेमिसाल जनता के लिए मुश्किल वाले साल बन गए हैं। उन्होंने कहा कि अनेकों ऐसी समस्याएं जिसका आमजन को सामना करना पड़ रहा है और समाधान के लिए वह बार-बार प्रशासन से गुहार लगा चुके हैं। लेकिन समस्याए हल होने की बजाए मुखर हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि महंगाई की मार हर वर्ग पड रही है। पेट्रोल व डीजल की कीमतें आसमान को छू रही हैं। रसोई गैस सिलेंडर रसोई के बजट को बिगाड़ने का काम कर रहा है। अगर यूं कहे जाए कि रसोई का जायका बिगड़ गया है तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि अपराध बढ़ते जा रहे हैं। कोई भी वर्ग अपने को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा। सरेआम अपराधिक घटनाएं हो रही हैं। प्रशासन इन घटनाओं पर मौन है। उन्होंने कहा कि भाजपा को सात साल बेमिसाल है, की उपलब्धियों पर पीठ थप थपाने की बजाय जनता की समस्याओं का हल करना चाहिए।

जन्म-जत्मातंरों की उलझी हुई पहेली नही सुलझ सकती : महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञाननाथ

समय के आत्मवेता सतगुरू के माध्यम पहले जानो, पहचानो, खुली आंखों से पहचान करो : महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञाननाथ

गजब हरियाणा न्यूज/ राहुल

अम्बाला, निराकारी जागृति मिशन नारायणगढ़ के गद्दीनशीन राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संत सुरक्षा मिशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज ने रूहानी प्रवचनो में फरमाया कि जब तक मालिकेकुल जय श्री प्रियतम निर्गुण निराकार एवं सर्वाधार परमात्मा को समय के हाकिम तत्वदर्शी ब्रह्मज्ञानी सतगुरू की दया-मेहर से खुली आंखो से देखा नही, जाना और पहचाना नही, प्रत्यक्ष में साक्षात्कार नही किया, हमेशा अपने अंगसंग होने का एहसास नही किया तब तक बाहरमुखी किए गए सभी धार्मिक कृत्यो से ज्यादा फायदा नही हो सकता और जन्म-जत्मातंरों की उलझी हुई पहेली नही सुलझ सकती। परमात्मा के दर्शन-दीदार करने का सपना साकार नही हो सकता। दृष्टिमान जगत में जो भी चर्म नेत्रों से दिख रहा है यह सबकुछ होते हुए भी नही है। यह सृष्टि का सारा तामझाम समय समय के अनुसार जन्मता और मरता रहता है और नित्यप्रति परिवर्तन होता रहता है। यह अनादि काल से अकाटय सच है कि जो भी रंग, रूप, आकार-प्रकार का प्रपंच है यह सब फनाह होता रहता है और फिर जन्मता रहता है। इसीलिए समय के आत्मवेता सतगुरू के माध्यम पहले जानो, पहचानो, खुली आंखों से पहचान करो फिर अंर्तमुखी होकर सुरत-शब्द, ज्योति-नादयोग का नित्यप्रति अभ्यास करो तभी वास्तविकता प्रकट होगी। स्वामी जी ने आगे कहा कि जो परमात्मा को तत्व से जानता है वह भौतिक जगत के जड़ पदार्थों को संग्रह करने की प्रवृति को छोड़कर, प्रकृति के तीनों गुणों की समग्र अभिव्यक्ति को तिलांजलि देकर अपने निर्गुण निराकर एवं सर्वाधार, प्रेम-ज्ञान निजस्वरूप में स्थितप्रज्ञ हो जाता है। सभी कर्मो के फल की इच्छा को छोड़कर निष्कामभाव से कर्म करता है। सभी कर्मो और कर्मफल को प्रभु को अर्पण करता हुआ, कर्ताभाव, भोक्ताभाव और अंहभाव को छोड़कर जीवन बसर करता है। ऐसा ज्ञानवान महापुरूष कैवल्य ज्ञान, निवार्णगति, परम आनंद की अवस्था को प्राप्त कर लेता है। उसको यह भलिभांति ज्ञान हो जाता है कि यह अखिल ब्रह्मांड इस कायम-दायम जय श्री प्रियतम निर्गुण निराकार परमात्मा का शरीर है। इस शहंशाहों के शहंशाह पारब्रह्म परमात्मा, करन-कारन

प्रभुसता की कृपा से जड़ और चेतन के संयोग से सभी प्राणियों की संरचना और परवरिश होती है। यही परमसता सृष्टि के सारे तामझाम में तटस्थ रहती है। इसकी मौज से इसके अंदर हलचल होती है और अखिल ब्रह्मांड की सारी कर्म-क्रियाएं स्वत-ही होती है। इस के होने से संसार का काम-काज सुचारू ढ़ंग से चलता है। दृष्टिमान जगत की समस्त वस्तुएं इसी पारब्रह्म परमात्मा की परछाई है। इसीलिए जगत की प्रत्येक वस्तु का सीधा सबंध परमात्मा से है। सभी वस्तुएं इसी के द्वारा और इसी के लिए बनी है। अपनी मौज से यह लौकिक-आलौकिक क्रिड़ाए करता है। ऐसा ज्ञान-ध्यान एवं बोध होन से दूसरे का सवाल ही नही उठता।

आधार कार्ड के इस्तेमाल को लेकर हो जाएं सावधान

सरकार ने जारी किया ये अलर्ट

AADHAAR

आधार कार्ड जारी करने वाली संस्था यूआईडीएआई ने आधार कार्डधारकों को अलर्ट किया है कि अगर आप आधार कार्ड की फोटोकॉपी किसी के साथ भी शेयर करते हैं तो सावधान हो जाएं, क्योंकि आपके आधार का गलत इस्तेमाल हो सकता है। सरकार ने अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि केवल लोगों को मास्क आधार ही शेयर करने चाहिए।

फोटोकॉपी से भी हो सकता है गलत इस्तेमाल

सरकार की ओर से कहा गया है कि अगर आप बेफिक्र होकर आधार कार्ड की फोटो कॉपी किसी भी संस्था के साथ शेयर करते हैं तो आपको इससे बचना चाहिए, क्योंकि आपके आधार का गलत इस्तेमाल हो सकता है। इस कारण से केवल मास्क आधार का ही उपयोग करें।

क्या होता है मास्क आधार

यूआईडीएआई के अनुसार मास्क आधार विकल्प आपको अपने डाउनलोड किए गए ई-आधार में अपना आधार नंबर छिपाने की अनुमति देता है। मास्क आधार संख्या का अर्थ है आधार संख्या के पहले 8 अंकों को xxxx-xxxx के रूप में लिखा जाता है, जबकि आधार संख्या के केवल अंतिम 4 अंक ही दिखाए जाते हैं।

मास्क आधार कार्ड कहां से करें डाउनलोड

मास्क आधार आपके आधार की एक भौतिक प्रति है, जिसका उपयोग ऑनलाइन या ऑफलाइन किया जा सकता है, इसका उपयोग भारत में हर जगह किसी भी समय किया जा सकता है। मास्क आधार को यूआईडीएआई की वेबसाइट पर जाकर और माई आधार

विकल्प का चयन करके डाउनलोड किया जा सकता है।

आधार डाउनलोड करने के लिए कैफे का न करें उपयोग यूआईडीएआई ने भी नागरिकों इसे लेकर भी चेतावनी दी है कि वे कभी भी ई-आधार डाउनलोड करने के लिए इंटरनेट कैफे या दूसरे के मोबाइल या गैजेट्स और सार्वजनिक कंप्यूटर का उपयोग न करें। हालाकि अगर जरूरत के समय ऐसा करने पर सभी जगहों से अपने आधार की कॉपी डिलिट कर दें। साथ ही आधार संबंधी हिस्ट्री भी हटा दें।

यूआईडीएआई के लाइसेंस वाली जगहों से आधार करें डाउनलोड

यूआईडीएआई केवल उन्हीं संस्थाओं में आधार संबंधी काम करने को कहता है, जिनके पास यूआईडीएआई द्वारा दिया जाने वाला लाइसेंस है और ई-आधार को सुरक्षित रूप से डाउनलोड करने के लिए किसी व्यक्ति की पहचान को प्रमाणित करने के लिए आधार का उपयोग कर सकते हैं। बिना लाइसेंस वाली निजी संस्थाएं से आधार संबंधी कार्य नहीं करने चाहिए।

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने से पहले अच्छी तरह पड़ताल कर लें। किसी उत्पाद या सेवाओं के संबध में किसी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की **'गजब हरियाणा'** समाचार पत्र की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। **'गजब हरियाणा'** समाचार पत्र के प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापनदाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेवार नहीं होंगे।

- समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक है। लेखकों के विचार अपने है। इनसे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र कुरुक्षेत्र होगा। प्रकाशित सामग्री से प्रिंटिंग प्रैस का कोई लेना देना नही है।
- समाचार पत्र से सम्बधिंत किसी भी प्रकार की आपत्ति या पूछताछ प्रकाशन तिथि के 15 दिन के अंदर संपादक के नोटिस में लाएं उसके पश्चात् किसी आपत्ति पर कोई भी कार्यवाही मान्य नही होगी या पूछताछ का जवाब देने के लिए समाचार पत्र या संपादक मंडल पाबंद नहीं होंगे।
- यदि ब्यूरो प्रमुख, पत्रकार व विज्ञापन प्रतिनिधि आदि लगातार 60 दिन तक समाचार पत्र के लिए काम नही करता है तो उसका समाचार पत्र से कोई संबंध नही होगा, ना ही उसके किसी भी दावे पर कोई विचार किया जाएगा।

'गजब हरियाणा' समाचार पत्र में विज्ञापन, लेख व समाचार देने के लिए सम्पर्क करें।

91382-03233

हमारी सरकार बनने पर 6000 महीना बुढ़ापा पेंशन से होगी शुरूआत : हुड्डा

किसानों के लिए बनेगा एमएसपी की गारंटी का कानून

बीजेपी-जेजेपी के विधायक और सांसद चीख-चीखकर सरकार की लूट की दे रहे हैं गवाही : दीपेंद्र हुड्डा

गजब हरियाणा न्यूज

फतेहाबाद, हमारी सरकार बनने पर 6 हजार रुपए महीना यानी रोज 2 सौ रुपए के नोट से बुढ़ापा पेंशन की शुरुआत होगी। किसानों के लिए एमएसपी की गारंटी का कानून बनाया जाएगा। साथ ही कर्ज नहीं चुका पाने की सूरत में किसानों की जमीन नीलाम नहीं होगी और ना ही उनपर आपराधिक केस चलेगा। फसल बीमा योजना प्राइवेट नहीं बल्कि सहकारी कंपनियां करेंगी। पिछड़ा वर्ग में क्रीमी लेयर की लिमिट 6 से बढ़ाकर 10 लाख रुपये की जाएगी, जिसमें वेतन शामिल नहीं होगा। ये तमाम ऐलान किए हैं पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने। हुड्डा आज फतेहाबाद में हुए 'विपक्ष आपके समक्ष' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

इस मौके पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ पार्टी प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान, कांग्रेस पिछड़ा वर्ग के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन अजय सिंह यादव, राज्यसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष श्रुति चौधरी, जितेंद्र भारद्वाज समेत कई दिग्गज नेताओं ने प्रदेश की बीजेपी-जेजेपी सरकार के खिलाफ जमकर हुंकार भरी। रैली का आयोजन प्रहलाद सिंह गिल्लाखेड़ा, सरदार परमवीर सिंह और सरदार जरनैल सिंह ने किया था। कन्वीनर के तौर पर वरिष्ठ नेता अशोक अरोड़ा ने इसकी जिम्मेदारी संभाली।

कार्यक्रम में उमड़े जनसैलाब से उत्साहित भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि आज फतेहाबाद में उमड़ी जनता ने बता दिया है कि आने वाला समय कांग्रेस का है। आज प्रदेश का हर तबका बदलाव के लिए बेताब है। बीजेपी-जेजेपी सरकार से किसान, मजदूर, कर्मचारी, व्यापारी, छोटा कारोबारी, बुजुर्ग, खिलाड़ी, नौजवान, विद्यार्थी समेत हर वर्ग परेशान है। क्योंकि आज हरियाणा में बेरोजगारी, अपराध और नशा चरम पर है। जिन छोटे-छोटे बच्चों को स्कूल में होना चाहिए था, वह आज नशे के इंजेक्शन लगाकर जान दे रहे हैं। फतेहाबाद, सिरसा समेत पूरे हरियाणा में खतरनाक तरीके से नशा बढ़ता जा रहा है। सरकार के संरक्षण के बिना यह संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि सरकार का ध्यान जनहित के कार्य करने की बजाए सिर्फ घोटाले करने पर है। इसलिए कभी शराब, कभी रजिस्ट्री, धान खरीद, यमुना, डाडम में माइनिंग, दवाई, बिजली मीटर, भर्ती और पेपर लीक जैसे घोटाले रोज सामने आ रहे हैं। लेकिन इतने घोटाले होने के बावजूद आज तक एक भी बड़ी मछली को नहीं पकड़ा गया। इससे स्पष्ट है कि भ्रष्टाचार करने वालों को सरकार बचा रही है। सरकार द्वारा फतेहाबाद की अनदेखी पर टिप्पणी करते हुए हुड्डा ने कहा कि जो सरकार आम जनता को पीने का पानी, चलने लायक सड़कें और बिजली जैसी आधारभूत सुविधाएं तक मुहैया नहीं करवा सकती, वो प्रदेश का भला नहीं कर सकती।

हुड्डा ने बताया कि प्रदेश में बेरोजगारी इसलिए चरम पर है क्योंकि सरकार नौकरी देने की बजाए नौकरी से निकालने पर जोर दे रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि कोरोना काल के दौरान सरकार ने 2200 कच्चे कर्मचारियों को नौकरी पर रखा था। उन्होंने अपनी जान की परवाह ना करते हुए महामारी के वक्त लोगों की सेवा की। लेकिन कोरोना काल के बाद सरकार ने इन 2200 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। इसी तरह का सुलूक 1983 पीटीआई के साथ किया गया। आंगनवाड़ी, आशा वर्कर, मिड डे मील वर्कर्स और तमाम कच्चे कर्मचारियों के साथ सरकार ऐसा ही बर्ताव कर रही है। पुलिस कर्मचारियों ने उन्हें बताया कि प्रदेश से बाहर जाने के लिए रोडवेज किराए में दी जाने वाली छूट भी मौजूदा सरकार ने खत्म कर दी है। इसी तरह कर्मचारियों के साथ-साथ यह सरकार तमाम जरूरतमंदों, गरीबों और पिछड़ों के अधिकारों को छीनने का काम कर रही है। इसलिए आने वाले चुनाव में जनता बीजेपी-जेजेपी से सत्ता छीनने का काम करेगी।

चौधरी उदयभान ने सभा को संबोधित करते हुए गठबंधन सरकार को पूरी तरह जनविरोधी करार दिया। उन्होंने कहा कि फतेहाबाद में उमड़े जनसैलाब ने ऐलान कर दिया है कि हरियाणा से भाजपा जा रही है और कांग्रेस आ रहे हैं। लोगों का उत्साह गवाही दे रहा है कि आने वाले चुनावों में फिर से भूपेंद्र सिंह हुड्डा की सरकार बनने जा रही है। क्योंकि सरकार में रहते हुए भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने 36 बिरादरी की भलाई के लिए कार्य किया था।

उन्होंने एससी कमीशन का गठन किया था ताकि गरीबों पर कोई अत्याचार ना हो। बीजेपी ने चुनाव में वादा किया था कि एससी कमिशन को कानूनी दर्जा दिया जाएगा। लेकिन इसके विपरीत इस सरकार ने एससी कमिशन को भंग करने का काम किया। हुड्डा सरकार ने गरीबों को 100-100 गज के प्लॉट देने की योजना चलाई थी। करीब 4 लाख परिवारों को मुफ्त प्लॉट आवंटित किए गए थे। लेकिन बीजेपी सरकार ने 1 इंच भी जमीन गरीबों को नहीं दी और इस कल्याणकारी योजना को बंद कर दिया। इसी तरह हुड्डा सरकार के दौरान एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए विद्यार्थियों को 42 हजार रुपए सालाना फीस देनी पड़ती थी, जिसे बढ़ाकर मौजूदा सरकार ने 10 लाख रुपए सालाना यानी 5 साल में 50 लाख रुपए कर दिया है। इससे स्पष्ट है कि यह सरकार गरीबों व सामान्य परिवार के बच्चों को शिक्षा से वंचित करना चाहती है।

राज्यसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी सभा में पहुंची भीड़ को देखकर काफी गदगद नजर आए। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड तोड़ गर्मी में लोगों की रिकॉर्ड तोड़ हाजिरी ने सत्ता के चक्रव्यूह को तोड़ दिया है। क्योंकि 'विपक्ष आपके समक्ष' के मुकाबले सत्ताधारी बीजेपी और जेजेपी ने सिरसा और फतेहाबाद में समानांतर रैली करने का ऐलान किया था। लेकिन जेजेपी ने फजीहत के डर से अपनी रैली रद्द करके बीजेपी के साथ मंच साझा करने का फैसला लिया। लेकिन दोनों सत्ताधारी पार्टियां मिलकर भी फतेहाबाद में 'विपक्ष आपके समक्ष' रैली का मुकाबला नहीं कर पाई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि जनता ने मौजूदा सरकार और हुड्डा सरकार के कामकाज को तौला है, जिसके बाद भूपेंद्र सिंह हुड्डा का साथ देने का फैसला लिया है।

2014 से पहले हुड्डा सरकार में जो हरियाणा विकास, प्रति व्यक्ति आय, प्रति व्यक्ति निवेश, बुजुर्गों, युवाओं, खिलाड़ियों के सम्मान, किसान हित के फैसलों, छात्रवृति, पेंशन और भाईचारे में नंबर वन था, उसे बीजेपी ने बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अपराध और नशे के मामले में नंबर वन बना दिया है। हुड्डा सरकार ने हरियाणा को शिक्षा का हब बनाने के लिए सिर्फ शिक्षा महकमे में 1 लाख सरकारी नौकरियां दी थीं और 27 विश्वविद्यालय स्थापित किए थे। हरियाणा को खेलों का हब बनाने के लिए सैकड़ों खिलाड़ियों को उच्च पदों पर नियुक्त किया था। लेकिन मौजूदा सरकार ने युवाओं को नशे के दलदल में धकेल दिया और हरियाणा को नशे और चिट्टे का हब बना दिया।

उन्होंने कहा कि गठबंधन ने हरियाणा को सोची समझी साजिश के तहत भ्रष्टाचार में नंबर वन बनाया है। क्योंकि दोनों पार्टियों के बीच जनहित में नहीं बल्कि लूट की छूट और भ्रष्टाचार का लाइसेंस लेने का समझौता हुआ था। यही वजह है कि हरियाणा में रोज सरकार का कोई ना कोई घोटाला उजागर हो रहा है। खुद सत्ताधारी पार्टी के विधायक रामकुमार गौतम और सांसद अरविंद शर्मा इस बात की चीख-चीख कर गवाही दे रहे हैं कि कौन-से महकमे में बैठकर कौन हरियाणा को कितना लूट रहा है।

सांसद दीपेंद्र ने कहा कि हरियाणा में गठबंधन सरकार जन समर्थन से नहीं धोखे से बनी है। जनता जेजेपी द्वारा बीजेपी को यमुना पार भेजने के नारे और मीडिया द्वारा बीजेपी की 75 से ज्यादा सीटें दिखाने के भ्रम में आ गई। लेकिन जनता को यह धोखा याद है और भविष्य में वो इसका हिसाब जरूर लेगी। फतेहाबाद में पंडाल से 5 गुना ज्यादा तादाद में पहुंची जनता ने बता दिया है कि हरियाणा में इसबार बदलाव तय है।

स्कूल के बच्चों को यातायात नियमों के साथ-साथ उनके अधिकारों तथा साईबर अपराधों के बारे किया गया जागरुक

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र डॉ अंशु सिंगला के आदेशानुसार समय-समय पर स्कूलों तथा कॉलेजों में जाकर यातायात नियमों की पालना करने के लिए विधार्थियो को जागरुक किया जा रहा है। सोशल मिडिया व समाचार पत्रों के माध्यम से लगातार आमजन को यातायात नियमों की पालना करने सम्बन्धी हिदायतें दी जा रहीं हैं। इसी कडी में दिनांक 28 मई 2022 को ट्रैफिक पुलिस द्वारा राजकीय सीनियर सैकेन्डरी स्कूल लाडवा जिला कुरुक्षेत्र में एक जागरुकता सेमिनार का आयोजन किया गया । जिसमें उप निरीक्षक रोशन लाल ने यातायात नियमों के साथ-साथ उनके अधिकारों, साईबर अपराधों तथा नशा न करने के प्रति जागरुक किया । यह जानकारी पुलिस प्रवक्ता नरेश कुमार सागवाल ने दी ।

इस बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि यातायात नियमों के बारे में विधार्थियो को जागरूक करने के लिए यातायात पुलिस कुरुक्षेत्र व जिला शिक्षा विभाग के सांझे जागरुकता अभियान के तहत स्कूलो मे भिन्न-भिन्न कार्यक्रम करवाये जा रहे हैं। इसी कडी में दिनांक 28 मई 2022 को ट्रैफिक पुलिस द्वारा राजकीय सीनियर सैकेन्डरी स्कूल लाडवा जिला कुरुक्षेत्र में ट्रैफिक पुलिस कोर्डिनेटर उप निरीक्षक रोशन लाल द्वारा विधार्थियों को यातायात नियमों के बारे में जागरुक किया गया। बच्चो को संबोधित करते हुए उप निरीक्षक रोशन लाल ने कहा कि आप यातायात नियमों की पालना करते हुए खुद को सुरक्षित रखने के साथ-साथ दूसरों को भी सुरक्षित रख सकते हो ।सडक पर चलते समय किसी प्रकार का स्टंट न करें । स्टंट करते हुए गाडी या बाईक चलाना जहाँ आपके परिवार की छवि खराब करता है वहीं आपके जीवन के लिये भी खतरनाक साबित हो सकता है।

इस सेमिनार में स्कूली बच्चों को यातायात के नए नियमों के बारे में जानकारी दी गई। विधार्थियो को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यातायात के नियम हमारी सुविधा और सुरक्षा के लिये बनाये गयें हैं इसलिये यदि हम सुरक्षित रहना चाहते हैं तो इन नियमों की पालना भी करनी होगी। आज सडकों पर इतनी भीड है कि पैदल चलना भी मुश्किल है इसलिये यदि हम वाहन लेकर सडक पर जाते हैं तो नियमों की पालना करना अति आवश्यक हो जाता है। उन्होने विधार्थियो से अपील करते हुए कहा कि वह अपना लाइसेंस बनवाए और वाहन के कागजात पूरे करने के बाद ही वाहन को चलाएं, बिना लाईसेंस किसी भी प्रकार का वाहन लेकर सडक पर न आयें । उप निरीक्षक रोशन लाल ने बच्चों को लाईसैंस बनवाने की प्रक्रिया बारे भी विस्तार से समझाया।

उप निरीक्षक रोशन लाल द्वारा बच्चों को साईबर अपराधों तथा बच्चों के शारीरिक शोषण बारे विस्तार से जानकारी दी गई । इस अवसर पर राजकीय सीनियर सैकेन्डरी स्कूल लाडवा जिला कुरुक्षेत्र की महिला अध्यापिकाओं को दुर्गा शक्ति एप्प व डायल-112 के बारे में विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर राजकीय सीनियर सैकेन्डरी स्कूल लाडवा जिला कुरुक्षेत्र के कार्यावाहक प्रिंसिपल श्री बृज भुषण, सुरेश नरवाल, सुशील कुमार, मुख्तयार सिंह, प्रवीन कुमारी, शालिनी, कुसुम अन्य टीचर व बच्चें मौजूद रहे।

आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 5 लाख रुपये तक की निशुल्क चिकित्सा सेवाओं का मिल रहा है लाभ : उपायुक्त

गजब हरियाणा न्यूज/नरेन्द्र धुमसी

करनाल ।उपायुक्त अनीश यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य (आयुष्मान भारत) योजना के अंतर्गत गरीब परिवारों को 5 लाख रुपये तक का वार्षिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है, जोकि ऐसे परिवारों के लिए एक वरदान साबित हो रही है।

उपायुक्त ने बताया कि इस योजना के तहत गरीब एवं असहाय परिवारों को बीमारियों के निश्शुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है। इसके लिए आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं, इस योजना के तहत प्रति परिवार को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक की चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती हैं। जरूरतमंद लोगों के लिए यह योजना काफी फायदेमंद साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवम्बर 2018 में गरीब परिवारों को बीमारियों का निश्शुल्क ईलाज करने की सुविधा प्रदान करने के लिए यह योजना लागू की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयुष्मान योजना को शुरू करके गरीब एवं असहाय परिवारों को राहत प्रदान की है।

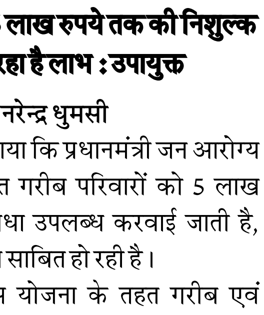

उन्होंने कहा कि यह योजना पूर्णतया कैशलैस है, लाभार्थी व्यक्ति केवल अपना आयुष्मान भारत कार्ड दिखाकर ही पैनल पर लिए गए निजी अथवा सरकारी अस्पतालों में अपना मुफ्त में ईलाज करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत कार्ड बनवाने हेतु लाभार्थी किसी भी अटल सेवा केंद्र पर जाकर अपने पहचान पत्र , राशन कार्ड दिखाकर बनवा सकता है। इसके लिए पैनल पर लिए गए निजी अस्पतालों तथा सरकारी अस्पतालों में भी यह कार्ड मुफ्त में बनवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना की अनूठी विशेषता पोर्टबिल्टी है यानि चाहे मरीज किसी भी राज्य का हो, वह किसी भी राज्य के पैनल पर लिए गए निजी अथवा सरकारी अस्पतालों में अपना मुफ्त ईलाज करवा सकता हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत जिला विभिन्न अस्पताल पैनल पर हैं। कोई भी लाभार्थी इन अस्पतालों में जाकर अपना आयुष्मान भारत कार्ड दिखाकर स्वीकृत पैकजों पर ईलाज करवा सकता है।

माता रमाबाई अंबेडकर का समाज को दिए गए योगदान को नहीं बुलाया जा सकता : गीता भारती

रमाबाई अंबेडकर ने बाबा साहब के संघर्ष में आखिरी सांस तक दिया साथ : डॉक्टर राम भक्त लांगयान

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, सहकारिता विभाग, हरियाणा चंडीगढ़ की रजिस्ट्रार गीता भारती आईएएस ने कहा की माता रमाबाई अंबेडकर का समाज को दिए गए योगदान को नहीं बुलाया जा सकता । रमाबाई अंबेडकर ने जीवन पर्यंत दलितों के उत्थान के साथ-साथ डॉ. भीमराव अंबेडकर को आगे बढ़ने के लिए हर कदम पर उनका साथ दिया। वे शुक्रवार को सेक्टर 8 स्थित डॉ. अंबेडकर भवन में रमाबाई अंबेडकर की 87 वी पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में उनको श्रद्धा सुमन अर्पित करने के बाद वहां उपस्थित लोगों को संबोधित कर रही थी।

इससे पूर्व गीता भारती ने अंबेडकर भवन में चल रही गतिविधियों का अवलोकन किया और रिटायर्ड आईएएस अधिकारी राम भक्त लांगयान के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अथक प्रयासों से ऐसा सुंदर अंबेडकर भवन बना है जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती थी। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से डॉ. राम भगत लांगयान समाज के लोगों की सेवा कर रहे हैं वह सराहनीय है । उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर गैलरी, छात्रावास और लाइब्रेरी का भी अवलोकन किया और इसके लिए डॉ. राम भगत लांगयान और पूरी कमेटी को बधाई दी।

अंबेडकर भवन के प्रधान रिटायर्ड आईएएस अधिकारी डॉ राम भगत लांगयान ने रमाबाई अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि रमाबाई अंबेडकर ने बाबा साहब की शिक्षा के लिए पैसे जुटाए और हर पल बाबा साहब को का मनोबल बढ़ाने का काम किया। इतना ही नहीं रमाबाई अंबेडकर ने भूखे रहकर परिवार का पालन पोषण किया। रमाबाई अंबेडकर ने बाबा साहब के संघर्ष में आखिरी सांस तक उनका साथ दिया। और बाबा साहब ने भी अपने लेख में माना है कि रमाबाई अंबेडकर के योगदान को वे कभी भुला नहीं पाएंगे। उन्होंने रमाबाई को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि बाबा साहब की ताकत बढ़ाने में उनका योगदान रहा। रमाबाई अमबेडकर ने दलितों के उत्थान और महिलाओं के कल्याण के लिए भी काम किया। उन्होंने समाज के हालात को देखते हुए बुराइयों को दूर करने का काम किया । रमाबाई की शादी केवल 9 वर्ष की आयु में हो गई थी। और वह एक बहुत ही गरीब परिवार में पैदा हुई थी। रमाबाई अंबेडकर के योगदान ने डॉ भीमराव अंबेडकर बाबा साहब अंबेडकर बनाने का काम किया।

इस मौके पर अंबेडकर भवन की कमेटी द्वारा मुख्य अतिथि गीता भारती व अन्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा कई महिलाओं को समाज में दिए गए योगदान के लिए उन्हें स्मृति चिन्ह शाल देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा अंबेडकर भवन से जुड़े हुए समाजसेवी लोगों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर कार्यकारी अभियंता पूनम, डॉ सुनीता देवी, संतोष बाला, सेवानिवृत्त डीएसपी रामबीर राठी, कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के सदस्य कैसी रंगा, सेवानिवृत्त डीसीपी चांदराम, अंबेडकर भवन के कमेटी के उप प्रधान सी.आर जिलोवा, बलजीत सिंह, जिले सिंह सभरवाल, श्यामलाल, लख्मीचंद रंगा, डॉ अजमेर सिंह ,जगदीश सोहेल, डायरेक्टर प्रवीण बत्रा, मैडम तारा रजिया, ओमप्रकाश सरोहा, एसपी सिरोही, राजाराम बिरियानी सहित अनेक महिलाएं मौजूद रहे।

कुरुक्षेत्र दार्शनिक स्थलों के भ्रमण हेतु आई दो यात्री बसों को झंडी देकर रवाना करेंगे : गुरदयाल सिंह

कुरुक्षेत्रा विकास बोर्ड व कुरुक्षेत्रा दर्शन के सहयोग से पिपली में चलाया जा यात्री सूचना एवं सुविधा केंद्र

यात्रियों को उचित मूल्य पर उपलब्ध कराया जा रहा रहना व खाना

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, महाराष्ट्र से दो बसें जिनमे 106 यात्री महाभारत की ऐतिहासिक स्थली कुरुक्षेत्र के धार्मिक स्थलों के भ्रमण करने के लिए पहुंचे। जो कुरुक्षेत्र के दार्शनिक स्थलों कुरुक्षेत्र, इस्कॉन मंदिर,भीष्म कुंड नारकतारी, हर्षवर्धन का टीला, स्थानेश्वर महादेव मंदिर, गीता स्थली ज्योतिसर,मां भद्रकाली मंदिर, लक्ष्मी नारायण मंदिर, ब्रह्म सरोवर, तिरुपति बालाजी के उपरांत माता वैष्णो देवी दर्शनों हेतु रवाना हो जाएंगे। जिसको कुरुक्षेत्रा दर्शन के संस्थापक गुरदयाल सिंह यात्री सूचना एवं सुविधा केंद्र नजदीक गीता द्वार पिपली से रविवार सुबह 9 बजे झंडी देकर रवाना करेंगे।

पिपली में कुरुक्षेत्रा विकास बोर्ड व कुरुक्षेत्रा दर्शन के सहयोग से यात्री सूचना एवं सुविधा केंद्र चलाया जा रहा है। जिसमे यात्रियों को उचित मूल्य पर रहना,खाना उपलब्ध कराया जा रहा है।

यूट्यूब व फेसबुक पर
गजब हरियाणा न्यूज
चैंनल को लाईक व सब्सक्राइब करें।
91382-03233
रोजाना की खबरों के लिए देखें वेबसाईट
www.gajabharyana.com

आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करने का सपना होगा साकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की मन की बात, गांव मिर्जापुर में खेल मंत्री संदीप सिंह सांसद नायब सिंह सैनी, विधायक सुभाष सुधा, जिला अध्यक्ष राजकुमार सैनी व कार्यक्रम संयोजक भाजपा नेता धर्मवीर मिर्जापुर ने देखा कार्यक्रम

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में देश को आत्मनिर्भर बनाने के सपने को साकार करने में हर संभव सहयोग देने की बात कही है। इस सपने को साकार करने के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना होगा और सेल्फ हेल्प ग्रुप को बढ़ावा देना होगा। अहम पहलू यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात सुनने के लिए भाजपा नेता धर्मवीर मिर्जापुर की तरफ से गांव मिर्जापुर के एक निजी पैलेस में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

रविवार को मन की बात सुनने के लिए खेल मंत्री संदीप सिंह, सांसद नायब सिंह सैनी, विधायक सुभाष सुधा, भाजपा के जिला अध्यक्ष राजकुमार सैनी, पूर्व जिला अध्यक्ष धर्मवीर मिर्जापुर, महामंत्री सुशील राणा सहित भाजपा के नेता तथा किसान पंहुचें। यहां पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को देखा। प्रधानमंत्री ने संदेश दिया कि पर्यावरण का संरक्षण किया जाए, पानी की एक एक बूंद को बचाया जाए, आत्मनिर्भर भारत का निर्माण किया जाए, महिलाओं को सशक्त बनाने के साथ साथ महिलाओं के सैल्फ हैल्प ग्रुप को मजबूत बनाया जाए, 21 जून को 8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में शिरकत की जाए, आजादी के अमृत महोत्सव पर कार्यक्रमों का आयोजन करके देश को आजाद करवाने वाले वीरों को याद किया जाए, स्टार्टअप इंडिया, स्वच्छ भारत का निर्माण सहित अन्य विषयों पर आमजन को फोकस करने की जरूरत है।

खेल मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात को सुनने से युवाओं को प्रेरणा मिली है। इस मन की बात से युवाओं के साथ साथ आम नागरिकों में नई ऊर्जा पैदा होगी। इस ऊर्जा का उपयोग देश की प्रगति के लिए किया जाएगा। इस सरकार ने लोगों को मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध करवाने के लिए बेहतरीन कार्य किया है और हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाओं को अमलीजामा पहनाने का काम किया है।

सांसद नायब सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के प्रत्येक नागरिक से जुड़ने के लिए मन की बात जैसे कार्यक्रमों की शुरुआत की है। इस कार्यक्रम को लाखों- करोड़ों देखते है और प्रेरित होते है। इन कार्यक्रमों से हर बार लाखों लोगों का जुड़ाव होता है और देश की प्रगति में योगदान देने के लिए नया मार्ग भी मिलता है। उन्होंने कहा कि हर माह प्रधानमंत्री किसी ना किसी विषय पर मन की बात कर रहे है। इस बार स्वच्छ भारत मिशन का भी विषय रखा गया। इस प्रकार के विषयों से लोगों में जागरूकता आती है। इससे आम लोगों को स्वच्छता का संदेश मिल रहा है।

विधायक सुभाष सुधा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम प्रत्येक व्यक्ति के मन को छू लेने वाला है। इस प्रकार के कार्यक्रमों से लोगों को स्वच्छता जैसे सामाजिक विषयों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिलती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम से लोगों को प्रेरणा मिल रही है। उन्होंने कहा कि पीएम के मार्गदर्शन में लोगों को मूलभूत सुविधाएँ मिल रही है, लोगों को ऑनलाइन सुविधाएं मिल रही है और देश चहुंमुखी विकास कर रहा है।

कार्यक्रम के संयोजक एवं भाजपा नेता धर्मवीर मिर्जापुर ने मेहमानों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनने के लिए भाजपा नेता और किसान पहुंचें। इस कार्यक्रम को डीडी न्यूज की तरफ से रिकॉर्ड किया गया और इस कार्यक्रम को पीएम के समक्ष भी रखा जाएगा। इस मौके पर किसान हरपाल बाजवा, दारा सिंह, अश्विनी शर्मा, रणबीर सिंह, नरेश कुमार, अशोक कुमार, सुरजीत सुन्हेडी, प्रदेश उपाध्यक्ष बैकवर्ड मोर्चा शयाम लाल जांगड़ा, जिला मीडिया प्रभारी विनीत कवातरा, जिला महामंत्री सुशील राणा, जिला आईटी प्रमुख विक्रम शर्मा, सुरेन्द्र इसहाकपुर, मण्डल अध्यक्ष हरीश अरोडा, दीपक चौहान, रमेश सैनी, रजनीश खासपुर, मण्डल महामंत्री नरेन्द्र जांगड़ा, जगतार वर्मा, उपाध्यक्ष रामपाल डाबर, हिमांशु भारद्वाज, परमवीर चौहान, राजेश मिर्जापुर, अजेब सिंह बारवा, चरणजीत सिंह, ज्ञान शर्मा, राजकुमार सिक्का, तुषार सैनी, परमवीर मिर्जापुर, राजेश पिन्टू आदि मौजूद रहे।

शिक्षा विभाग ने किया 'पढना एक चुनौती' कार्यक्रम का आयोजन

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर ।शिक्षा विभाग द्वारा जिला सचिवालय के सभाकक्ष में पढना एक चुनौती कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने की और उन्होंने इस कार्यक्रम में कई सरकारी स्कूलो के 36 बच्चों से विचार सांझा किए। उन्होंने बच्चों द्वारा अप्रैल व मई महीने में पाठ्यक्रम से अलग पढ़ी गई पुस्तकों पर लिखी एवं की गई समीक्षा पर बच्चों से बातचीत की और उन्हें प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सुशासन सहयोगी विपुल फलोर, जिला शिक्षा अधिकारी सतपाल कौशिक, सर्व शिक्षा अभियान की डीपीसी सुमन बहमनी, उप जिला शिक्षा अधिकारी शिव कुमार धीमान, एपीसी जय कुमार व डॉ. धर्मवीर, सहायक सूचना एवं जन सम्पर्क अधिकारी स्वर्ण सिह जंजोटर ओदरी, बीपीडब्लयू संदीप बत्तरा, खंड शिक्षा अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी, विद्यार्थियों, अध्यापकगण व अभिभावक उपस्थित थे।

उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि अप्रैल व मई मास के दौरान पढना एक चुनौती कार्यक्रम के तहत जिला के 96 हजार 93 विद्यार्थियों ने अपने पाठ्यक्रम से अलग पुस्तको के अलावा स्कूलों के पुस्तकालयों से पुस्तके लेकर पढ़ी और उन पर अपनी समीक्षा लिखी। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य यह है कि विद्यार्थी अपने पाठ्यक्रम से अलग पुस्तके पढ़े ताकि उनका ज्ञान बढ़ सके और बच्चों का पूर्ण रूप से शैक्षणिक विकास हो। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों में छुपी हुई प्रतीभा को बाहर लाकर उसका निखार करते है। उन्होंने कहा कि पढना एक चुनौती कार्यक्रम के तहत बच्चों ने अच्छा प्रयास किया है और उन्होंने अपने स्कूल के पाठ्यक्रम के अलावा अन्य शिक्षाप्रद पुस्तके पढ़ी है। उन्होंने कहा कि बच्चों ने कुछ महत्वपूर्ण बातें सिखी है जिसे बच्चे अपने जीवन मे उतारे। उन्होंने कहा कि बच्चों की हर भाषा पर अपनी पकड़ होनी चाहिए और बच्चें बोलने की घबराहट से बचे व जीवन में रूची अनुसार पुस्तको को पढने की अपनी आदत बनाए।

सांसद अरविंद शर्मा का घरौंडा में जोरदार स्वागत बोले: पहरावर जमीन मामले को उन्होंने जोरशोर से उठाया

गजब हरियाणा न्यूज/अमित बंसल/कौशिक

घरौंडा ।रोहतक से बीजेपी सांसद डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि जिला करनाल को वे अपना घर मानते है। उन्होंने 15 साल तक सांसद के रूप में लोगों की सेवा की है और यह जनता का ही आशीर्वाद है कि वे अब चौथी बार सांसद है। ब्राह्मण समाज ने पहरावर वाली जमीन को लेकर मांग रखी हुई है कि जल्दी से जल्दी सरकार जमीन संस्था को दें।

डॉ. अरविंद शर्मा रविवार को करनाल में आयोजित भगवान परशुराम जयंती समारोह में शामिल होने के लिए जाते वक्त कुछ समय के लिए घरौंडा रूके थे। जहां पर अरविंद शर्मा का ब्राह्मण समाज के साथ व 36 बिरादरी के लोगों के साथ उनका भव्य स्वागत किया।

अरविंद शर्मा ने कहा कि पहरावर वाली जमीन को लेकर उन्होंने जोरशोर से बात रखी है और यह एक जायज मांग है। पहरावर की तरह यदि किसी ओर संस्था की भी कोई जमीन है या फिर आर्थिक सहायता की मांग तो सरकार को वह पूरी कर देनी चाहिए। गोड ब्राह्मण सभा की जमीन के साथ आर्थिक सहायता की मांग भी रखी गई है और जब तक यह मांग पूरी नहीं होती, हम बिलकुल भी नहीं मानेंगे। दूसरी संस्थाओं की भी आर्थिक मदद सरकार को करनी चाहिए। मुख्यमंत्री के अरविंद शर्मा सरकार में नहीं है वाले ब्यान पर टिप्पणी करते हुए शर्मा ने कहा कि वे जनता के आशीर्वाद से चौथी बार सांसद बने है। मुख्यमंत्री वर्ष 2018 में गौड़ ब्राह्मण संस्था में गए थे और वहां कहा था कि संस्था की जमीन संस्था को मिलेगी, लेकिन अब 2022 आ चुका है। वे कहते है कि मैं सरकार में नहीं हूं, लेकिन गौड ब्राह्मण सभा की ही नहीं यदि किसी ओर संस्था की भी कोई समस्या है तो मैं दो घंटे में दूर कर सकता हूं।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिंटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) Registration Namber : HAR/HIN /2018/77311